राष्ट्रीय दैनिक

# बुद्ध का संदेश

हिन्दी समाचार पत्र

लखनऊ,कानपुर,कन्नौज,बरेली,सीतापुर,सोनभद्र,गोण्डा,बाराबंकी,बलरामपुर,श्रावस्ती,बहराइच,अम्बेडकरनगर,फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर,गोरखपुर,कुशीनगर,देवरिया,महराजगंज,सिद्धार्थनगर में एक साथ प्रसारित।

दैनिक बुद्ध का संदेश | 9795951917,9415163471 | @budhakasandesh | budhakasandeshnews@gmail.com | www.budhakasandesh.com

मंगलवार, 29 अगस्त 2023 सिद्धार्थनगर संस्करण | www.budhakasandesh.com | वर्ष: 10 अंक: 249 पृष्ठ 8 आमंत्रण मूल्य 2/–रूपया

लखनऊ सुचीबद्ध कोड– SDR-DLY-6849, डी.ए.वी.पी.कोड–133569 | सम्पादक : राजेश शर्मा | उत्तर प्रदेश सरकार एवं भारत सरकार (DAVP) से सरकारी विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

सावधान ! इन बीमारियों की वजह से ...8



# जी20 शिखर सम्मेलन 2023 के लिए बनाई गई वेबसाइट

## 110 से अधिक भाषाओं में मिलेगी Delhi Traffic की जानकारी, लगाए जाएंगे कई प्रतिबंध

नई दिल्ली। दिल्ली में होने जा रहे जी20 शिखर सम्मेलन के दौरान दिल्ली में खास चकाचौंध ा दिखेगी। हर तरफ इस आयोजन को लेकर उत्साह देखने को मिल रहा है। वीवीआईपी मूवमेंट को देखते हुए ऐहतियात के तौर पर प्रगति मैदान इलाके को श्नो एंट्री जोनश बनाया जाएगा। सम्मेलन के दौरान नई दिल्ली इलाके में ही वीवीआईपी मेहमानों का अधिकतर मूवमेंट देखने को मिलेगा। इस स्पेशल मूवमेंट को देखते हुए दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने अलग अलग देशों के राष्ट्राध्यक्षों व उनके साथ आने वाले अधिकारियों की सुरक्षा व्यवस्था व सुविधा के मद्देनजर नई दिल्ली इलाके को पबंद करने का फैसला किया है।

नई दिल्ली में कई तरह की तैयारियां जी20 सम्मेलन के सफलतापूर्वक आयोजन को लेकर की जा रही है। ये सम्मेलन 9 सितंबर और 10 सितंबर को राजधानी में आयोजित किया जा रहा है। इस सम्मेलन के सफल आयोजन से पहले दिल्ली में कई तरह के प्रतिबंध लगाए जाने का फैसला किया गया है। इस आयोजन में परेशानी ना हो इसलिए आठ से 10 सितंबर तक सभी कार्यालय, बैंक और शैक्षणिक संस्थान बंद रखने का फैसला हुआ है। कई सड़कों और रूट्स में भी बदलाव किए गए है।

सम्मेलन के दौरान नई दिल्ली में कई यातायात प्रतिबंध ों और रूट डायवर्जन किए जाएंगे। इस बीच दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने एक विशेष वेबसाइट लॉन्च की है। इस वेबसाइट में चार या पांच नहीं बल्कि 110 से अधिक भाषाओं में शिखर सम्मेलन की अवधि के दौरान यातायात से संबंधित सभी अपडेट दिए जाएंगे।



जानकारी के मुताबिक दिल्ली ट्रैफिक पुलिस द्वारा एक विशेष वेबसाइट लॉन्च की है जिसमें नई दिल्ली के आवश्यक रूट, मानचित्रों, ट्रैफिक डायवर्जन, ट्रैफिक व्यवस्था और प्रतिबंधों, पुलिस सेवाओं, बाजारों, पर्यटन स्थलों, मौसम और सोशल मीडिया अपडेट के संबंध में व्यापक जानकारी है। जी20 शिखर सम्मेलन 2023 के दौरान दिल्ली में बाहर निकलने वालों के लिए ये वेबसाइट बेहद उपयोगी सिद्ध हो सकती है।

बता दें कि इस वेबसाइट में ट्रैफिक अपडेट, हवाई अड्डे से होटल और जी20 शिखर सम्मेलन 2023 स्थल तक रूट के कई विकल्प उपलब्ध है। मेट्रो, बस और टैक्सी रूट के साथ–साथ होटल, बाजार, अस्पताल और रेलवे स्टेशन के स्थानों को भी वेबसाइट के मैप पर दर्शाया जाएगा। इस मानचित्र में ये भी दिखेगा कि होटल में कौन से मेहमान ठहरे हुए है। इस वेबसाइट की खासियत है कि इसे 110 भाषाओं में एक्सेस किया जा सकता है। वेबसाइट पर उपलब्ध जानकारी जी20 के मेहमानों के साथ आम लोगों के लिए भी उपयोगी सिद्ध होगी।

इस वेबसाइट में एक खास कॉलम जोड़ा गया है जिसमें शदिल्ली एट ए ग्लांसश को शामिल किया गया है। इसमें दिल्ली के सभी पर्यटक आकर्षणों, पूजा स्थलों और लोकप्रिय बाजारों की लिस्ट दी गई है जहां जाया जा सकता है। खान मार्केट और जनपथ मार्केट को छोड़कर करोल बाग, चांदनी चौक, सरोजिनी नगर और लाजपत नगर मार्केट जैसे बाजारों के बारे में गेस्ट वेबसाइट पर जानकारी हासिल कर सकेंगे। इस वेबसाइट पर कुतुब मीनार, अक्षरधाम और लोटस टेम्पल, जामा मस्जिद, लाल किला और जंतर मंतर जैसे पर्यटन स्थल की जानकारी दी गई है। दिल्ली से बाहर स्थित पर्टयन स्थलों की जानकारी भी इसमें दी गई है, जैसे ताज महल (आगरा), सिटी पैलेस (उदयपुर), नीमराना फोर्ट आदि।

## यूपी में दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए योगी सरकार का फैसला, परिवहन निगम के ड्राइवरों को मिलेगी ट्रेनिंग

लखनऊ। सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए प्रदेश की योगी सरकार हर संभव प्रयास कर रही है। सीएम योगी के निर्देश पर परिवहन निगम के चालकों के एडवांस प्रशिक्षण से लेकर आम लोगों की रोड पर गतिविधियों को देखते हुए रोडवेज चालकों को और अधिक सावधानी बरतने और अलर्ट रहने को कहा गया है। सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों को रोकने और इसमें कमी लाने के लिए सरकार की ओर से केंद्रीकृत साफ्टवेयर के माध्यम से त्वरित समीक्षा करते हुए आवश्यक



कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। अचानक टकराने से होती हैं सर्वाध िक दुघटनाएं: मालूम हो कि उत्तर प्रदेश परिवहन निगम के कानपुर स्थित प्रशिक्षण संस्थान में प्रदेश में होने वाली दुर्घटनाओं की समीक्षा में पाया गया कि 35.15 प्रतिशत दुर्घटनाएं, मोटर साइकिल, साइकिल, पैदल व्यक्ति, जानवर आदि के अचानक आकर टकराने से, 18.63 प्रतिशत दुर्घटनाएं पीछे से टकराने से, 18.41 प्रतिशत दुर्घटनाएं दाहिनें–बाएं मुड़ने, गलत लेन पर चलने, असुरक्षित लेन परिवर्तन, लापरवाहीपूर्वक चलने, खतरनाक ड्राइविंग, अनुचित मोड़, ट्रैफिक सिगनल से, 17.25 प्रतिशत दुर्घटनाएं आमने–सामने टकराने से होती हैं।

### दुर्घटनाओं की हो तुरंत समीक्षा

परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने निगम के अधिकारियों को निर्देशित किया है कि निगम बसों के सभी चालकों को और अधिक प्रशिक्षित किए जाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि इन कारणों से स्पष्ट है कि चालकों को मोटर साइकिल, साइकिल, पैदल व्यक्ति एवं जानवर की गतिविध ियों को भांपते हुए सावधानीपूर्वक वाहन चलाने की आवश्यकता है, जिससे कि सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों को रोका जा सके और इसमें कमी लाई जा सके। परिवहन मंत्री ने आईआरएस व्हाट्सअप ग्रुप पर आने वाली दुर्घटनाओं की जानकारी को साफ्टवेयर के माध्यम से त्वरित समीक्षा करने के निर्देश दिए। इसके लिए केंद्रीयकृत साफ्टवेयर भी बनाया जाए।

## हम भाजपा को हराएंगे, राज्यपाल पर भड़कीं ममता बनर्जी ने कहा- चुनी हुई सरकार से पंगा मत लो

कोलकाता। तृणमूल (टीएमसी) छात्र परिषद के स्थापना दिवस के मौके पर आज मेयो रोड पर रैली से ममता बनर्जी ने सीधे राज्यपाल सीवी आनंद बोस पर निशाना साधा। उन्होंने शिक्षा को लेकर भी कड़ा संदेश दिया। साथ ही साथ चुनाव को लेकर भी बात रखी। उन्होंने कहा कि राज्यपाल संवैधानिक नियमों का उल्लंघन कर रहे हैं, मैं इस पद का सम्मान करती हूं लेकिन उनकी असंवैधानिक गतिविधियों का समर्थन नहीं करती। ममता बनर्जी ने राज्यपाल सी वी आनंद बोस से कहा कि चुनी हुई सरकार से 'पंगा'

न लें। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि यह उत्तर प्रदेश नहीं है, यादवपुर विश्वविद्यालय में 'गोली मारो' का नारा लगाने वालों को गिरफ्तार किया जाएगा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कोलकाता में कहा कि यदि लोकसभा चुनाव दिसंबर में ही करा दिए जाएं, तो हैरानी नहीं होगी। उन्होंने कहा कि हमने बंगाल में माकपा के शासन को समाप्त किया, अब हम लोकसभा चुनाव में भाजपा को हराएंगे। कोलकाता के पास अवैध पटाखा फैक्टरी में विस्फोट के मामले पर ममता बनर्जी ने कहा कि कुछ पुलिसकर्मियों के समर्थन से कुछ लोग गैरकानूनी गतिविधियों में संलिप्त थे। उन्होंने कहा कि हमने बंगाल में माकपा के शासन को समाप्त किया, अब हम लोकसभा चुनाव में भाजपा को हराएंगे।

## महाराष्ट्र में भाजपा–शिवसेना सरकार में क्यों शामिल हुए अजित पवार, वरिष्ठ नेता ने अब किया खुलासा

मुंबई । महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने खुलासा किया है कि उनका गुट राज्य में भाजपा और एकनाथ शिंदे के



नेतृत्व वाली शिवसेना सरकार में क्यों शामिल हुआ। इसके साथ ही उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि षराजनीति में कोई स्थायी दुश्मन और दोस्त नहीं होते हैं।ष बीड में एक सार्वजनिक रैली को संबोधित करते हुए, अजित पवार ने कहा, षहम लोगों की समस्याओं को हल करने के लिए महायुति (बीजेपी, शिंदे के नेतृत्व वाली सेना के साथ अजित पवार का गठबंधन) में शामिल हुए हैं। हमने राज्य के विकास के लिए यह निर्णय लिया है।ष

किसानों के हित के लिए कार्य : पवार ने आगे कहा कि राजनीति में, कोई स्थायी दुश्मन नहीं होता और कोई स्थायी दोस्त नहीं होता। हम महाराष्ट्र में सभी को बताना चाहते हैं कि भले ही हम महायुति गठबंधन में हैं, लेकिन सभी जातियों और धर्मों के लोगों की रक्षा करना हमारा कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि हम सदैव किसानों के हित के लिए कार्य करते रहेंगे। खेतों में पानी के बिना खेती नहीं होती। जब मैं राज्य में जल संसाधन था तब मैंने बहुत काम किया।

## रोजगार मेले को खड़गे ने बताया PR stunt, बोले– भाजपा के झूठ, जुमले और विश्वासघात को पहचान चुके हैं युवा

नई दिल्ली। राष्ट्रीय रोजगार

मेले को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर कटाक्ष करते हुए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सोमवार को कहा कि वह ईएमआई के रूप में भर्ती पत्र बांट रहे हैं। खड़गे ने दावा किया कि मोदी द्वारा दिए गए नियुक्ति पत्रों में वे लोग भी शामिल हैं जिन्हें प्रमोशन मिल रहा है। उनकी यह टिप्पणी प्रध ानमंत्री द्वारा रोजगार मेले में नवनियुक्त रंगरूटों को 51,000 से अधिक नियुक्ति पत्र वितरित करने से पहले आई है। खड़गे ने कहा कि सालाना 2 करोड़ नौकरियाँ देने का वादा कर, मोदी जी हमारे युवाओं को इस तरह के **EMI** के रूप में कुछ हजार भर्ती पत्र बाँट रहे हैं। आज भी बाँटेंगे। ताजा समाचारों से पता चला है कि इन सरकारी नौकरियों में उनके नाम भी हैं जिनको प्रमोशन मिला है।

### मोदी सरकार को बाहर का रास्ता दिखाएँगे

उदाहरण देते हुए उन्होंने आगे कहा कि भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (पैम्ए), मोहाली द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों के मुताबिक, इस साल अप्रैल में संस्थान ने 15 नई नियुक्तियां की और 21 व्यक्तियों के प्रमोशन को मंजूरी दी। रोजगार मेला आयोजनों के दौरान इनको भर्ती पत्र जारी किए गए थे। मौलाना आजाद राष्ट्रीय उर्दू विश्वविद्यालय अप्रैल 2023 में अपने जवाब में कहा कि 38 लोगों को नियुक्ति पत्र जारी किए गए हैं। 38 में 18 प्रमोशन के मामले शामिल हैं। अपना हमला करते हुए उन्होंने कहा कि मोदी जी, अगर आपको युवाओं के भविष्य की रत्तीभर भी चिंता होती तो आप ये च्त् जनदज में शामिल होकर उनकी आकांक्षाओं से खिलवाड़ नहीं करते! देश के युवा भाजपा के झूठ, जुमले और विश्वासघात को पहचान चुके हैं, और वे 2024 में मोदी सरकार को बाहर का रास्ता जरूर दिखाएँगे।

## जी20 से पहले दिल्ली को मिलेंगी 400 ई–बसें, इन चीजों पर केजरीवाल सरकार का पूरा फोकस

नई दिल्ली। जी20 शिखर सम्मेलन से पहले 400 से अधिक इलेक्ट्रिक बसें दिल्ली की सड़कों पर उतरेंगी, जिनमें से कुछ का उपयोग डीटीसी बेड़े में शामिल होने से पहले कार्यक्रम के लिए भी किया जाएगा। सितंबर के पहले सप्ताह में बसों को हरी झंडी दिखाई जाएगी। परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत ने कहा, षहम यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि दुनिया के विभिन्न हिस्सों से राष्ट्रीय राजधानी आने वाले लोग यहां से अच्छी यादें लेकर जाएं।ष उन्होंने आगे कहा कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में, दिल्ली स्वच्छ ईंधन शुरू करने में अग्रणी रही है, जिससे न केवल यात्रा सुविधाजनक हुई है, बल्कि प्रदूषण भी काफी हद तक कम हुआ है। ये बसें स्वच्छ ऊर्जा और कार्बन उत्सर्जन को कम करने के प्रति दिल्ली सरकार की प्रतिबद्धता को भी प्रदर्शित करती हैं। नए वाहन 12–मीटर इलेक्ट्रिक बसें होंगी: एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि ये सभी नए वाहन 12–मीटर इलेक्ट्रिक बसें होंगी। उन्होंने कहा, षयात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए बसों में वास्तविक समय की निगरानी प्रणाली और सीसीटीवी कैमरे होंगे।

# सारी विषमता का कारण ब्राह्मणवाद

## स्वामी प्रसाद मौर्य बोले: हिंदू नाम का कोई धर्म नहीं, केवल धोखा है

लखनऊ। रामचरितमानस पर अपनी टिप्पणी से बड़ा विवाद खड़ा करने वाले समाजवादी पार्टी के नेता स्वामी प्रसाद मौर्य एक बार फिर ब्राह्मणवाद और हिंदू ध ार्म पर अपनी टिप्पणी को लेकर तूल पकड़ रहे हैं। इस बार उन्होंने हिंदू धर्म को श्धोखा देने वालाश और श्धोखाश करार दिया है। अपने एक एक्स पोय्ट में उन्होंने लिखा कि ब्राह्मणवाद की जड़े बहुत गहरी है और सारी विषमता का कारण भी ब्राह्मणवाद ही है। हिंदू नाम का कोई धर्म है ही नहीं, हिंदू धर्म केवल धोखा है। सही मायने में जो ब्राह्मण धर्म है, उसी ब्राह्मण धर्म को हिंदू धर्म कहकर के इस देश के दलितों, आदिवासियों, पिछड़ों को अपने धर्म के मकड़जाल में फंसाने की एक साजिश है।

ब्राह्मणवाद पर वार: समाजवादी पार्टी के नेता ने कहा कि अगर हिंदू धर्म होता तो आदिवासियों का भी सम्मान होता है, दलितों का भी सम्मान होता, पिछड़ों का भी सम्मान होता लेकिन क्या विडंबना है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि हमारे महापुरूषों ने एक लंबा संघर्ष किया, जिसका नतीजा है कि आज हजारों साल की गुलामी से निजात पाकर हम सम्मान और स्वाभिमान के रास्ते पर चल पड़े है। उन्होंने कहा कि मैं सोशल मीडिया से जुड़े हुए नौजवानों को भी इस बात के लिए बधाई देना चाहता हूं कि जब मैंने सम्मान–स्वाभिमान की बात को छेड़ी, जब मैंने ब्राह्मणवाद पर चोट किया, जब ब्राह्मणवादी ताकतों की चूले हिली तो उसमें बहुजन समाज का सोशल मीडिया ब्राह्मणवाद के सोशल मीडिया पर भारी पड़ गया। जिस कारण आज भी गांव–गली, चट्टी–चौराहे, चाय की दुकान से लेकर सचिवालय और विश्वविद्यालय तक चर्चा चल रही है, यह एक शुभ संकेत है। रामचरितमानस विवाद: समाजवादी पार्टी के एमएलसी स्वामी प्रसाद मौर्य ने फरवरी में यह आरोप लगाकर विवाद खड़ा कर दिया था कि रामचरितमानस के कुछ श्लोक जाति के आधार पर समाज के एक बड़े वर्ग का षअपमानष करते हैं और मांग की थी कि इन पर षप्रतिबंधष लगाया जाए। उन्होंने कहा था कि धर्म के नाम पर किसी जाति को अपमानित करने पर आपत्ति होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि ऐसे कई करोड़ लोग हैं जिन्होंने रामचरितमानस नहीं पढ़ा है या नहीं पढ़ा है। उन्होंने कहा कि यह ब्रिटिश काल था जिसने दलितों को पढ़ने और लिखने का अधिकार दिया और महिलाओं को ब्रिटिश राज में साक्षर होने का अधिकार मिला।

# वायरल वीडियो को विधायक कैलाश नाथ शुक्ल ने एक सुनियोजित साजिश बताया

दैनिक बुद्ध का सन्देश

बलरामपुर। जनपद मुख्यालय स्थित निज आवास पर आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में तुलसीपुर विधायक कैलाश नाथ शुक्ल ने 2 दिन पूर्व वायरल एक वीडियो का संज्ञान लेते हुए एक प्रेस कॉन्फ्रेंस कर एक माह पहले की घटना का जिक्र करते हुए बताया कि उक्त वायरल वीडियो में जो घटना दिखाई गई है उसमें कुछ लोग मेरे भतीजे की दुकान पर कार्य कर रहे हैं एक कर्मचारी को शराब के नशे में आये और मामूली सी बात पर उसे मारने पीटने लगे इसी दौरान बगल के किसी ने मेरे भतीजे को फोन किया कि

आपके कर्मचारियों को कुछ लोग मर पीट रहे यह बात सुनकर वह जिस हाल में था दुकान पर आया और मारपीट कर रहे लोगों से भीड़ गया और दोनों पक्षों में मारपीट हुई घटना के कुछ दिन कुछ लोग सोनू की दुकान पर आये और मामले में समझौता के लिये कुछ लेनदेन की शर्त रखी जिसे सोनू ने इनकार कर दिया इससे नाराज उक्त लोगों ने उक्त वीडियो को वायरल कर मेरे नाम को आधार बना तरह–तरह के आरोप लगाये उन्होंने कहा कि किसी के घर पर अगर लोग हमला करें और दूसरा पक्ष अपने बचाव में कुछ न करें तो अगर ऐसे में वह दोषी है तो समझो हम भी दोषी हैं घटना को सोची समझी रणनीति का हिस्सा बताया उन्होंने कहा कि हमारे छवि और आचरण के लिये मुझे कुछ बताने की जरूरत नहीं है जिसे आप सभी भली भाँति जानते हैं उन्होंने कहा अगर जरूरत समझा तो जो भी कानूनी प्रक्रिया होगी करेंगे।

# गरीब व्यक्ति की पुत्रियों की शादी के लिये ऑनलाइन आवेदन करे : जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी

दैनिक बुद्ध का सन्देश

बलरामपुर। जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी एम0पी0 सिंह ने बताया कि शादी अनुदान योजनान्तर्गत अन्य पिछड़े वर्ग (अल्पसंख्यक पिछड़े वर्ग को छोड़कर) के गरीब व्यक्तियों की पुत्रियों की शादी हेतु विभागीय पोर्टल/वेबसाइट पर ऑनलाइन आवेदन किये जाने हेतु वांछित अभिलेखों का होना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि सर्वप्रथम आवेदक द्वारा ऑनलाईन आवेदन भरने से पूर्व अपने आधार कार्ड एवं आधार लिंक मोबाइल नम्बर तथा बैंक खाते की पासबुक (जिसमें पूर्ण विवरण अंकित हो, पठनीय हो) आय प्रमाण–पत्र (शहरी क्षेत्र में रू0 56460.00 एवं ग्रामीण क्षेत्र में रू0 46080.00 प्रतिवर्ष से अधिक न हो) जाति प्रमाण–पत्र, उम्र का प्रमाण–पत्र (पुत्री की आयु 18 वर्ष एवं वर की आयु 21 वर्ष से या उससे अधिक होना अनिवार्य है।) शादी का कार्ड आदि अभिलेख होना आवश्यक है। आवेदक (माता–पिता/अभिभावक) शादी अनुदान पोर्टल/वेबसाइट पर अपने रजिस्ट्रेशन हेतु अपना आधार नम्बर अंकित कर आधार अभिप्रमाणन की प्रक्रिया शुरू करेगा। आधार का अभिप्रमाणन पूर्ण होने के उपरान्त प्राप्त रजिस्ट्रेशन नं० एवं मोबाइल नं० पर प्राप्त ओ०टी०पी० के माध्यम से लॉगिन कर आवेदन भरने की प्रक्रिया प्रारम्भ की जायेगी। वित्तीय वर्ष 2023–24 से आवेदक तथा पुत्री (जिसकी शादी हेतु आवेदन किया जा रहा है।) दोनों का आधार आधारित ई–के0वाई0सी0 के माध्यम से ऑनलाईन आवेदन किया जायेगा, इसलिए आधार से लिंक मोबाइल नं० साथ में होना अनिवार्य है। आवेदक द्वारा शादी का प्रमाण–पत्र/शादी का कार्ड एवं बैंक पासबुक जिसमें (खाता धारक व बैंक का नाम, बैंक का खाता संख्या एवं आई०एफ०एस०सी० कोड़ का विवरण अंकित हो) पठनीय हो प्रमाण–पत्र अपलोड़ करना अनिवार्य है। आवेदक आवेदन को अन्तिम रूप से सबमिट करने से पूर्व कोई भी प्रविष्ट में सुधार कर सकता है, किन्तु फाइनल सबमिट करने के उपरान्त आवेदन में किसी भी प्रकार का सुधार किया जाना किसी भी स्तर पर सम्भव नहीं होगा।इस सम्बन्ध में अन्य पिछड़े वर्ग के (अल्पसंख्यक पिछड़े वर्ग को छोड़कर) समस्त पात्र आवेदकों को सूचित किया जाता है कि अपनी पुत्रियों की शादी हेतु ऑनलाईन आवेदन करने के लिए सावधानीपूर्वक नियमों का पालन करना अनिवार्य है।

# बाल वैज्ञानिक ने पराली से थाली, प्लेट, कटोरी बनाई

दैनिक बुद्ध का सन्देश

बस्ती। अगस्त जनपद बस्ती की बेगम खैर गर्ल्स इंटर कालेज की छात्रा नीलाक्षी ने पराली को लेकर अद्भुत खोज कर उसको जन उपयोगी बना दिया है। विद्यालय की प्रधानाचार्या मुस्लिमा खातून ने बताया कि कि हमारे विद्यालय की छात्रा नीलाक्षी मौर्या ने 30वीं राष्ट्रीय बाल विज्ञान 2022–23 के मुख्य विषय "स्वास्थ्य और पर्यावरण हित के लिए पराली से प्लेट बनाने तक की यात्रा" अध्ययन के दौरान बाल वैज्ञानिकों ने पाया कि वर्तमान समय मे पर्यावरण प्रदूषण एक अहम समस्या है। जिसमे वायु प्रदूषण मुख्य है। वायु मंडल को दूषित करने मे पराली दहन एक बड़ा कारण है। मूलतरू यह पराली धान की फसल का अवशेष होती है। पंजाब हरियाणा व उत्तर प्रदेश के अधिकतर किसान इसे जला देते है इससे मिट्टी की जैविक गुणवत्ता प्रभावित होते है पराली जलाने से पर्यावरण नुकसान से अधिक मिट्टी की उर्वरा शक्ति प्रभावित होती है। केवल एक टन पराली जलाने से 5.5 किग्रा नाइट्रोजन 2.3 किग्रा फास्फोरस 25 किग्रा सल्फर जैसे पोषक तत्व नष्ट हो जाते है। पराली जलाने के नकारात्मक स्वास्थ्य प्रभावों से फसल की उत्पादकता भी कम होती है। और अर्थव्यवस्था व स्वास्थ्य पर दीर्घकालीन प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। उत्तर भारत में जलने वाली पराली की वजह से देश को लगभग 2 लाख करोड़ का नुकसान होता है। यह नुकसान वायु प्रदूषण की आर्थिक के साथ बीमारियों के खर्च के तौर पर होता है। यह आकलन अर्न्तराष्ट्रीय खाद्य नीति अनुसंधान संस्थान (प्थ्च्त्) ने लगाया है। इन सभी समस्याओं को ध्यान में रखते हुए हमने इस प्रोजेक्ट के माध्यम से इस समस्या का हल निकाला है। अगर हम पराली को जलाये नही वरन् उसके स्थान पर पराली को एकत्रित करके उससे इकोफ्रेण्डली प्लेट कटोरी बनाएगें। इससे इस समस्या का निवारण हो सकेगा। अध्ययन के दौरान हमने पाया कि कई वर्ष पूर्व ग्रामसभा में पारम्परिक वस्तुओं का बहुत महत्व था। जैसा कि पेड़ के पत्तों तथा मिट्टी के पात्रों का उपयोग करना आदि। बढ़ते हुए भौतिकतावादी

युग के कारण लोगों ने कुछ परम्परागत चीजों को पूर्णतः छोड़ दिया है। तथा प्लास्टिक थर्माकोल जैसे प्रदूषकों का उपयोग कर रहे हैं। जिससे पर्यावरण प्रदूषण हो रहा है तथा हमारे स्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। वर्तमान समय की मांग है कि अपनी परम्परागत चीजो से इकोफ्रेण्डली वस्तुओं का निर्माण कर उसका उपयोग करें। जैसे पराली से प्लेट बनाने की विधि। एक तरफ किसानों को लाभ पहुँचाएगी तथा दूसरी तरफ यह पराली से बनी बर्तन आसानी से सड़–गल कर मिट्टी में मिल जायेगें। जब हमें यह विषय मिला कि "स्वास्थ्य और कल्याण के लिए पारितंत्र को समझना" तो हमने आपस में विचार विर्मश किया हम वर्तमान समय में कौन सी परेशानी से जूझ रहे है? तब हमने अपने आस–पास पाया कि आज कल पर्यावरण प्रदूषण अहम समस्या हो गयी है।

नीलाक्षी मौर्या ने जब अपने गाँव में देखा कि अक्टूबर व नवम्बर में खरीफ की फसल के बाद अधिकतर किसान खेत में उपस्थित अपशिष्ट पदार्थों (पराली) को जला रहे है। जिससे वायु प्रदूषण हो रहा है। इसका सीधा असर 60 साल से अधिक बुजूर्ग व्यक्ति तथा 5 साल तक के बच्चों पर पड़ता है इन्हें साँस लेने में तकलीफ होती है। पराली के अवशेष को जलाने से मिट्टी की उर्वरकता भी नष्ट हो जाती हैं। पराली जलाने से पैदा होने वाली ग्रीन हाऊस गैस से पर्यावरण को भी नुकसान पहुँचता है। पराली जलाने से तीव्र श्वसन संक्रमण भी होता है। पराली जलाने से 190 बिलियन डॉलर या भारत के सरल घरेलू उत्पाद का लगभग 1.7 प्रतिशत नुकसान होता है। तब हमे यह सूझा कि हम पराली से बहुत कुछ बना सकते है। और हम दैनिक जीवन में उपयोग होने वाले प्लास्टिक थर्माकोल जैसे प्रदूषकों की जगह पराली से बने प्लेट कटोरी इत्यादि का उपयोग करें। और यह बिल्कुल पर्यावरण अनुकुल भी होगा। अक्टूबर में जब उत्तर भारत के तापमान में कमी आनी शुरू होती है। तभी पंजाब और हरियाणा में पराली जलनी शुरू होती है। इस पराली का धुँआ सड़कों की धूल वाहनों का उर्त्सजन आदि मिलकर आसमान में स्माग पैदा करते हैं। यह स्माग तो तेज हवा से दूर होता है या बारिश से। वायु मण्डल को दूषित करने में पराली दहन एक बड़ा कारण है। मूलतः पराली धान की फसल का अवशेष है। चुँकि किसानों को खेत खाली करके उस पर गेहूँ बोने की जल्दी रहती है। इस लिए वे पराली को जलाना बेहतर समझते है। इससे उनका ही नुकसान होता है। उनके खेत की मिट्टी की उर्वरकता नष्ट होती है। वातावरण तथा स्वास्थ्य दोनों पर बुरा प्रभाव पड़ता है। हमारा उददेश्य यह है कि भारत के सभी नागरिक पराली से बने प्लेट कटोरी इत्यादि का उपयोग करें।

# डिवाइन पब्लिक स्कूल के बच्चों ने प्रस्तुत किया उत्कृष्ट कार्यक्रम

दैनिक बुद्ध का सन्देश

बलरामपुर। रोटरी क्लब बलरामपुर की 40वीं इंस्टालेशन सेरेमनी के अवसर पर एमएलके पीजी कॉलेज के ऑडिटोरियम हॉल में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में डॉक्टर के के श्रीवास्तव, डॉक्टर पीके श्रीवास्तव और एमएलके कॉलेज के प्रिंसिपल डॉक्टर जेपी पांडे मौजूद रहे। इस कार्यक्रम में डॉक्टर प्रांजल त्रिपाठी को अध्यक्ष व अभिषेक सिन्हा को 2022–23 का सचिव नियुक्त किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि और विशिष्ट अतिथियों के द्वारा मां सरस्वती के चित्र पर हिमालय माल्यार्पण करके किया गया। उसके बाद डिवाइन पब्लिक स्कूल की चांदनी, राजश्री, विनिका ने सरस्वती वंदना करके कार्यक्रम का शुभारंभ किया उसके बाद कार्यक्रम में आए हुए अतिथ व मुख्य अतिथ सभी का .तिका दुबे, रागनी, दिव्यांशी, मुस्कान, साक्षी ,वर्तिका ने वेलकम डांस प्रस्तुत करके सबका मन अपनी तरफ मंत्र मुक्त कर लिया। इसी कार्यक्रम में डिवाइन पब्लिक स्कूल के बच्चों ने लोगों को जागरूक करने के लिए सोशल मीडिया संबंधित एक नाटक भी प्रस्तुत किया जिसमें कर्तव्य, निकिता, प्रशांत, शिखर, अनामिका, अरनव, अरना, निकिता, सीखा, दीपावली कश्यप, व निधि पाल ने एक ऐसे नाटक की प्रस्तुति की जिसको देखकर बाहर से आए मुख्य अतिथि यह कहने के लिए मजबूर हो गए कि वाकई में डिवाइन पब्लिक स्कूल के बच्चे एक अद्भुत क्षमता के धनी हैं और इस प्रकार जो नाटक यहां प्रस्तुत किया गया वाकई में आज हमारे समाज की इसकी आवश्यकता है और कभी भी यदि मैं गोंडा य बहराइच में किसी भी कार्यक्रम का आयोजन करता हूं तो इस नाटक की प्रस्तुति वहां कराना चाहूंगा बच्चों

ने अपने सभी अभिनय के माध्यम से एमएलके कॉलेज के भरे हुए ऑडिटोरियम के सभी लोगों का अपनी तरफ ध्यान आकर्षित किया और मुख्य अतिथि द्वारा ध्1000 का पुरस्कार भी प्राप्त किया। महाविद्यालय के प्राचार्य जेपी पांडे ने कहा कि मैं डिवाइन पब्लिक स्कूल को गत वर्ष से उनके द्वारा किए जा रहे पढ़ाई के साथ साथ उनके द्वारा प्रस्तुत किए जा रहे कार्यक्रमों को देखता रहता हूं और वाकई में इस स्कूल के बच्चे ने पढ़ाई के साथ–साथ सांस्तिक कार्यक्रमों में भी शहर के अंदर अपनी एक अलग छाप छोड़ रखी है। मंच का संचालन कर रहे दिव्य दर्शन तिवारी जो की सिरसिया में गायत्री महाविद्यालय के प्रचार हैं उन्होंने डिवाइन पब्लिक स्कूल के प्रबंधक आशीष उपाध्याय की प्रशंसा करते हुए कहा कि इतने कम समय में डिवाइन पब्लिक स्कूल के प्रबंधक ने पढ़ाई के साथ–साथ जिस प्रकार का रोजगार पैदा किया है। इसी प्रकार कार्यक्रम की आए हुए सभी लोगों ने प्रशंसा की इस कार्यक्रम की प्रस्तुति में डिवाइन पब्लिक स्कूल की अध्यापकों का बहुत ही योगदान रहा जिनके नाम प्रियंका कनौजिया, निहारिका श्रीवास्तव, पल्लवी शुक्ला ,आदर्श श्रीवास्तव, जूली पांडे, शालिनी सोनी, सुनीता, उषा, सुधा, उजमा, के के पाठक, स्वाति, शशांक कुमार, पूजा मिश्रा, द्रक्षा, आराधना सिंह, श्रेष्ठ गुप्ता, अंजनी, शुभम श्रीवास्तव, सुमन मिश्रा, सुरभि पांडे, निशा, प्रियंका, रेनू खान, आफरीन, सोनी, सांची, आरती, आदि का काफ़ी योगदान रहा।

## 31 अगस्त तक अभ्यर्थी आईटीआई में ले सकते हैं प्रवेश

### छूटे हुए अभ्यर्थी 31 अगस्त तक आईटीआई में लें प्रवेश

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोण्डा। आईटीआई प्रवेश परीक्षा की तीसरी मेरिट लिस्ट जारी कर दी गयी है। तीसरी मेरिट लिस्ट के अभ्यर्थी जो किन्हीं कारणों से प्रवेश पाने से छूट गए है वे 31 अगस्त तक संस्थान में जाकर प्रवेश ले सकते हैं। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान के प्रधानाचार्य अनिल वर्मा ने बताया कि जिन अभ्यर्थियों ने अभी तक प्रवेश नहीं लिया है वो आगामी '31 अगस्त' तक संस्थान में उपस्थित होकर प्रवेश ले सकते है। उन्होंने बताया जिनका नाम मेरिट लिस्ट में है उन चयनित अभ्यर्थियों की सूची संस्थान के सूचना पट पर भी प्रकाशित है।

## अवैध कच्ची शराब की दबिश के दौरान 150 किलो लहन व 7 अभियोग पंजीकृत किया गया

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोंडा। जिलाधिकारी नेहा शर्मा के निर्देश पर जनपद के विभिन्न क्षेत्रों में आबकारी विभाग द्वारा क्षेत्र 1 व 2 की की संयुक्त टीम द्वारा अपने अपने क्षेत्रों में खैरी थाना कोतवाली नगर, ग्राम जादेवा, महुआडीह थाना मनकापुर, शिवपुर थाना तरबगंज एवं ग्राम बालपुर जाट थाना कोतवाली देहात में दबिश देकर प्रवर्तन कार्यवाही की गई। दबिश के दौरान लगभग 85 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद किया गया, तथा मौके पर लगभग 150 किलो लहन नष्ट किया गया। आबकारी अधिनियम की धारा 60 के तहत 07 अभियोग पंजी.त किया गया।

## रोग के प्रकोप में सलाह लेकर रसायनिक दवाओं का करें छिड़काव– जिला कृषि अधिकारी

दैनिक बुद्ध का सन्देश

बलरामपुर। जिला कृषि अधिकारी आर0पी0 राना ने किसान भाइयों को सूचित करते हुये बताया कि गाजर घास यानी पार्थेनियम घास के खाद्यान्न फसलों, सब्जियों एवं उद्यानों में प्रकोप के साथ मनुष्य की त्वचा सम्बन्धी बीमारियों, एग्जिमा, एलजी, बुखार तथा दमा जैसी बीमारियों का प्रमुख कारण है। यह एक वर्षीय शाकीय पौधा है जिसकी लम्बाई 1.5 से 2 मीटर तक होती है यह मुख्यतः बीजों से फैलता है इसमें एक पौधे से लगभग 5 हजार से 25 हजार बीज प्रति पौधा पैदा करने की क्षमता रहती है इनके बीजों का प्रकीर्णन हवा द्वारा होता है, जिससे इनकी संख्या में बढ़ोत्तरी तेजी से होती है।उन्होंने गाजर घास नियंत्रण एवं उन्मूलन सम्बन्धी सुझाव दिये है जिसमें वर्षा ऋतु में गाजर घास को फूल आने से पहले जड़ से ऊखाड़ कर कम्पोस्ट एवं वर्मी कम्पोस्ट बनाना चाहिए। वर्षा आधारित क्षेत्रों में शीघ्र बढ़ने वाली फसलें जैसे ढ़ैचा, ज्वार, बाजरा, मक्का आदि की फसलें लेनी चाहिए। घर के आस–पास बगीचे उद्यान एवं संरक्षित क्षेत्रों की गेंद के पौधे उगाकर गाजर घास के फैलाव एवं वृद्धि को रोका जा सकता है। जैविक नियंत्रण हेतु मैक्सिकन बीटल (जाइगोग्रामा बाइक्लोराटा) नामक कीट को वर्षा ऋतु में गाजर घास पर छोड़ना चाहिए। रसायनिक नित्रंत्रण हेतु ग्लाइफोसेट अथवा मैट्रीब्यूजीन का छिड़काव करनी चाहिए। खेत में किसी भी प्रकार के कीट/रोग के प्रकोप की स्थिति में सहभागी फसल निगरानी एवं नियंत्रण प्रणाली व्हाट्सएप नम्बर–9452247111 अथवा 9452257111 पर फोटो भेज कर अपनी समस्या का समाधान प्राप्त कर सकते है।

# पूर्वदशम छात्रवृत्ति के लिए छात्र/छात्राए करे आवेदन

दैनिक बुद्ध का सन्देश

बलरामपुर। जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी एम0पी0 सिंह ने बताया कि पूर्वदशम छात्रवृत्ति (कक्षा 9–10) योजनान्तर्गत पूर्व में जारी समय–सारणी दिनांक 28.07.2023 को निरस्त करते हुये नये शासनादेश के क्रम में वित्तीय वर्ष/शैक्षिक सत्र 2023–24 में सभी वर्गों के पूर्वदशम छात्रवृत्ति योजनान्तर्गत समस्त पाठयक्रमों का डाटाबेस तैयार करने, सत्यापन करने एवं छात्र/छात्राओं को आवेदन करने हेतु नवीन प्रस्तावित समय–सारणी जारी की गई हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में स्थित मान्यता प्राप्त विद्यालय द्वारा मास्टर डाटाबेस में सम्मिलित होने के लिये आनलाईन आवेदन करने की कार्यवाही किया जाना, जिला विद्यालय निरीक्षक के समक्ष प्रपत्र प्रस्तुत करना, जिला समाज कल्याण अधिकारी से पासवर्ड प्राप्त करना (नवीन संस्थाये) एवं मास्टर डाटा में सम्पूर्ण सूचनायें भरकर/अपलोड करके प्रमाणित करने की कार्यवाही दिनांक 30 सितंबर 2023 तक की जाएगी तथा जिला विद्यालय निरीक्षक द्वारा उनकी अधिकारिता में आने वाले समस्त विद्यालयों में स्वी.त सीटों की संख्या की प्रमाणिकता को शत–प्रतिशत आनलाईन डिजिटल हस्ताक्षर से सत्यापित करने की कार्यवाही 15 अक्टूबर 2023 तक की जाएगी। छात्र/छात्राओं द्वारा ऑनलाइन आवेदन 15 सितम्बर से 10 नवम्बर, 2023 तक किया जा सकता है। छात्रों द्वारा आनलाईन पत्र की हार्डकापी एवं संलग्न अभिलेखों से छात्रों के समस्त विवरण का विद्यालय द्वारा मिलान किया जाना एवं आनलाईन आवेदन प्राप्त करना, सत्यापित एंव अग्रसारित करने की प्रक्रिया 18 सितम्बर से 22 नवम्बर, 2023 तक, जनपदीय छात्रवृत्ति स्वी.त समिति द्वारा संदेहास्पद एवं शुद्ध डाटा के सम्बन्ध में निर्णय लिया जाना एवं पात्र छात्रों की छात्रवृत्ति स्वी.त करना तथा जनपद स्तरीय विभागीय अधिकारी के डिजिटल सिग्नेचर से डाटा लाक किया जाने की प्रक्रिया 15 दिसम्बर, 2023 से 30 जनवरी, 2024 तक तथा जनपद स्तरीय विभागीय अधिकारी के डिजिटल सिग्नेचर से लाक डाटा के आधार पर पी०एफ०एम०एस० प्रणाली के माध्यम से छात्र/छात्राओं को धनराशि का भुगतान किये जाने की कार्यवाही 19 फरवरी, 2024 से की जायेगी।

## आमा पैड़ी नहर में तैरती मिली अज्ञात बुजुर्ग की लाश

दैनिक बुद्ध का सन्देश

रुधौली,बस्ती। थाना क्षेत्र के मुंगरा आमा पैड़ी नहर में तैरती

मिली अज्ञात बुजुर्ग की लाश रुधौली थाना क्षेत्र के समीप मुगरहा आमा पैड़ी के नहर में तकरीबन 1:00 बजे एक अज्ञात बुजुर्ग का सब तैरते हुए दिखाई पड़ा जिसकी सूचना स्थानीय लोगों ने रूधौली पुलिस विभाग को दी लोगों के द्वारा सूचना पाने के उपरांत मौके पर पहुंचे प्रभारी एस ओ रामानंद सिंह ने लाश को बाहर निकलवाया और पुलिस ने बताया की बुजुर्ग की उम्र लगभग 65 वर्ष रंग गोरा मजबूत बंधन गोल चेहरा शरीर पर कोई कपड़ा नहीं है आसपास के लोगों से पहचान करवाया गया लेकिन पहचान नहीं हो पाई फिल हाल पुलिस मृतक के पहचान का प्रयास कर रही है मृतक कहां का है अभी यह पता चल नहीं पाया है

# विद्युत आपूर्ति व्यवस्था को लेकर ऊर्जा मंत्री से मिले विधायक विनय वर्मा

## विधायक विनय वर्मा ने बढ़नी ब्लॉक में 209.03 लाख रुपये की लागत से बनने वाले 33 विद्युत कार्य व शोहरतगढ़ ब्लॉक में 149.29 लाख रुपये से 44 विद्युत कार्यों की भेजी सूची

दैनिक बुद्ध का सन्देश

शोहरतगढ़,सिद्धार्थनगर। विद्युत आपूर्ति की बेहतर व्यवस्था को लेकर शोहरतगढ़ विधायक विनय वर्मा ने ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा से मिलकर क्षेत्र की समस्याओं से अवगत कराते हुए प्रभावी कार्यवाही करने की बात कही है। उन्होंने यह भी कहा कि पिछले दिनों हमने अपने विधानसभा क्षेत्र में बिजली आपूर्ति संबंधित विषयों को लेकर माननीय ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा से मिलकर अपने क्षेत्र के देवतुल्य जनता–जनार्दन की मांगों को पत्र के माध्यम से सूचित किया था। उसी क्रम में अपने विधानसभा क्षेत्र शोहरतगढ़ के बढ़नी ब्लॉक तथा शोहरतगढ़ ब्लॉक में विद्युत से संबंधित कार्य का प्रस्तावित विवरण, विद्युत वितरण खंड सिद्धार्थनगर के माध्यम से ऊर्जा मंत्री ए. के. शर्मा को प्रेषित किया गया है। इस क्रम में बढ़नी ब्लॉक में कुल 33 विद्युत कार्य कुल 209.03 लाख (लगभग दो करोड़ नौ लाख) तथा शोहरतगढ़ ब्लॉक में कुल 44 विद्युत कार्य 149.29 लाख (लगभग डेढ़ करोड़) की लागत से दोनों ब्लॉकों के अंतर्गत आने वाले सभी गाँवों में विद्युत आपूर्ति से संबंधित विस्तृत सूचि मंत्री को सौंपी गई है। बढ़नी ब्लॉक में 6 नये ट्रांसफ़ॉर्मर स्थापित करने तथा 15 ट्रांसफ़ॉर्मरों की क्षमता बढ़ाने एवं शोहरतगढ़ ब्लॉक में 19 नये ट्रांसफ़ॉर्मर स्थापित करने 18 ट्रांसफ़ॉर्मर की क्षमता बढ़ाने के कार्यों की सूचि बनाई गई है। साथ–साथ विद्युत उपकेंद्रों का सु.ढ़ीकरण, के.वी.ए. की क्षमता में वृद्धि, ट्रॉली ट्रांसफ़ॉर्मर स्थापित करने का कार्य, क्षतिग्रस्त केबलों के बदलने का कार्य, पुराने व जर्जर ट्रांसफ़ॉर्मर को बदलने तथा कुछ की क्षमता वृद्धि का कार्य समेत विद्युत आपूर्ति संबंधित सभी संभावित कार्यों का निष्पादन होना निहित है। उन्होंने यह भी कहा कि शीघ्र ही बिजली की सभी प्रकार की समस्याओं का निदान हो जायेगा, जिसके लिए हम सभी प्रयासरत है।

## जिलाधिकारी ने किया राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम का आयोजन

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सिद्धार्थनगर। राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम के अन्तर्गत संचालित राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन योजनान्तर्गत आधार सीडिंग कराये जाने के संबध में जिलाधिकारी संजीव रंजन की अध्यक्षता एवं मुख्य विकास अधिकारी जयेन्द्र कुमार की उपस्थिति में कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में जिला समाज कल्याण अधिकारी ने जिलाधिकारी संजीव रंजन को अवगत कराया कि समस्त खण्ड अधिकारी/लीड बैंक अधिकारी को विकास खण्ड वार सूची उपलबध करा दिया गया है। जिलाधिकारी संजीव रंजन ने खण्ड विकास अधिकारी/अधिशासी अधिकारी नगर पालिका/नगर पंचायत को निर्देश दिया कि अभियान चलाकर आधार सीडिंग पूर्ण कराना सुनिश्चित करे। इस बैठक में उपरोक्त के अतिरिक्त समस्त उपजिलाधिकारी, समस्त खण्ड विकास अधिकारी, लीड बैंक अधिकारी आर0के0सिन्हा, जिला समाज कल्याण अधिकारी डा0राहुल गुप्ता तथा अन्य संबधित अधिकारी व कर्मचारी आदि उपस्थित थे।

## जिलाधिकारी संजीव रंजन ने किया नगरीय निकाय के कार्यो की समीक्षा बैठक

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सिद्धार्थनगर। नगरीय निकाय के कार्यो की समीक्षा बैठक

जिलाधिकारी संजीव रंजन की अध्यक्षता एवं मुख्य विकास अधिकारी जयेन्द्र कुमार की उपस्थिति में कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक सम्पन्न हुई। जिलाधिकारी संजीव रंजन ने पिंक शौचालय एवं एम.आर. एफ. सेन्टर का निर्माण पूर्ण कराने का निर्देश दिया गया। सभी कार्य शुरू हो कोई भी कार्य अनारम्भ न रहे। हाउस टैक्स की वसूली, जलकर की वसूली में प्रगति लाने का निर्देश दिया। दुकानी पर पॉलीथीन की छापेमारी करने का निर्देश दिया गया। पेय जल आपूर्ति, साफ–सफाई व्यवस्था, जल निकासी, अतिक्रमण हटाने हेतु निर्देश दिया गया। जनता की समस्याओं का निस्तारण कराये तथा शिकायत रजिस्टर में अंकित करने का निर्देश दिया गया। मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी को निर्देश दिया कि पशुओं का नियमित टीकाकरण कराने का निर्देश दिया गया। नगर क्षेत्र के प्राथमिक / पूर्व माध्यमिक स्कूल / आंगनबाड़ी केन्द्रो का कायाकल्प कराने का निर्देश दिया गया। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी (वि0/रा०) उमाशंकर समस्त उपजिलाधिकारी. समस्त खण्ड विकास अधिकारी, समस्त अधिशासी अधिकारी नगर पालिका / नगर पंचायत आदि उपस्थित थे।

# शिव–पार्वती विवाह कथा प्रसंग सुन भावविभोर हुए श्रोता

## संकल्प ऐसा हो जिसका कोई विकल्प ना हो: कथावाचक स्वामी सूर्यकांताचार्य

दैनिक बुद्ध का सन्देश

शोहरतगढ़,सिद्धार्थनगर। नगर पंचायत शोहरतगढ़ के शिव बाबा मंदिर प्रांगण में आयोजित शिवकथा के नौंवे दिवस की कथा में अयोध्या से आये मानव जीवन पथ चौरिटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष सूर्यकांताचार्य जी ने कहा जब सती जी ने अपने शरीर को त्याग दिया तो वही सती हिमांचल नरेश के यहां पार्वती के रुप में प्रगट हुई। नारद जी महराज हिमाचल नरेश के यहां पहुंचे जो हिमांचल नरेश ने अपनी कन्या की हस्त रेखा दिखाई। नारद जी ने कहा कि आप की पुत्री सभी गुणों से सम्पन्न होगी परंतु इसके पति में कुछ दोष होंगें और इस दोष को अगर गुण में बदलना चाहते हैं तो आपकी पुत्री भगवान शंकर को पति के रूप में पानज के लिए तपस्या करे। क्योंकि सामर्थ्यवान को दोष नहीं लगता जीव अंश है परमात्मा अंशी दोष अंश में होता है अंशी में नही। नारद जी के उपदेश के प्रभाव से पार्वती जी ने कठोर तप किया। शंकर जी ने सप्तऋर्षियों को भेजकर पार्वती के प्रेम की परिक्षा ली। सप्त ऋर्षियों ने सती जी को कहा कि आप उस दिगंबर शंकर जी को पाना चाहती हो आप का विवाह हम नारायण से करवा देंगे। सती जी ने कहा कि पति के रूप में शंकर जी ही चाहिए अन्यथा मैं अपने शरीर को त्यागी दूंगी अंत मेंभगवान शंकर ही ब्राह्मण का रूप धारण करने सती जी के प्रेम का परीक्षा लिया। पार्वती के .ढ संकल्प को देखकर शंकर जी प्रसन्न हो गये। महराज जी नें कहा की लक्ष्य के प्राप्ति के लिए व्यक्ति को .ढ़ संकल्पित होना चाहिए और संकल्प ऐसा हो जिसका कोई विकल्प ना हो। देवताओं एवं शिव गणों की बारात लेकर भोलेनाथ हिमांचल नरेस के पहुंचपर पार्वती जी से विवाह किया। इस अवसर पर अशोक कुमार पांडेय, रज्जू बोरा, शिव शंकर वर्मा (भोलेनाथ) किशोरी लाल, चौयरमैन रवि अग्रवाल,अमर वैदिक, आचार्य राम प्रकाश दास सहित अनेकों लोग उपस्थित रहे।

## नाव के अभाव में नदी तैर कर पार करने के लिए लोग विवश

दैनिक बुद्ध का सन्देश

उसका बाजार सिद्धार्थनगर। जोगिया ब्लॉक के दोआब क्षेत्र में राप्ती नदी के तट पर स्थित रीवा नानकर के ग्रामीण पिछले 6 माह

से नाव के अभाव में अपने खेत में जाने के लिए नदी को तैर कर पार करने के लिए विवश है। इस बारे में ग्रामवासी अखिलेश पाण्डेय ने बताया कि रीवा नानकार में प्रशासन की नाव नही है। इसको लेकर ग्रामीणों ने जिलाधिकारी से शिकायत किया था। डीएम ने अधीनस्थ अधिकारियों को नाव की व्यवस्था के लिए निर्देशित किया था। लेकिन 3 सप्ताह का समय गुजर गया अभी तक कोई इंतजाम नही हुआ। ग्रामीण नदी के उस पार अपने खेत आदि में जाने, पशु को चराने के लिए पशुओं के सहारे नदी तैर कर जाने आने के लिए विवश है। इससे जहां एक तरफ लोगो को गंभीर समस्या का सामना करना पड़ रहा है तो वही दूसरी तरफ जान जोखिम में है। ग्रामवासी अवधराम, मुनिलाल, भगोले, रविंद आदि ने जिला प्रशासन से शीघ्र अतिशीघ्र आसन्न खतरे को देखते हुए नाव का इंतजाम करने की मांग किया है।

## सावन के आखिरी सोमवार को उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

दैनिक बुद्ध का सन्देश

उसका,सिद्धार्थनगर। सनातन धर्म में सावन माह को सबसे उत्तम माह माना गया है। उत्तम मास यानी मलमास तथा सावन माह में सोमवार का विशेष महत्व है। सावन के अंतिम सोमवार को झारखंडी महादेव मंदिर महदेवा, प्राचीन शिवमंदिर रेहरा बाजार में भक्तो की भारी भीड़ जुटी। ध नमः शिवाय और हर हर महादेव के जयघोष से मंदिर परिसर गुंजायमान हो गया। सावन के अंतिम सोमवार को अनेक लोगो ने अपने घर पर अथवा शिवमंदिरो में रूद्राभिषेक कराया। श्रीपयोहारी आश्रम उसका राजा के पुजारी पंडित रमाकांत शुक्ल ने बताया कि मलमास कुछ वर्षो के अंतराल पर आता है। सावन के साथ उत्तम मास का फल इस बार श्रद्धालुओं को मिला। श्रद्धा और विश्वास पूर्वक जो लोग इन दिनो में शिव आराधना, रामकथा का श्रवण, देवदर्शन करते है उन्हे मनोवांक्षित फल की प्राप्ति होती है।

## चेहल्लुम त्यौहार को लेकर आयोजित हुई पीस कमेटी की बैठक

दैनिक बुद्ध का सन्देश

शोहरतगढ़,सिद्धार्थनगर। सोमवार को थाना परिसर में हिन्दू धर्म व मुस्लिम धर्म के धर्मगुरुओं, मीडिया कर्मी, क्षेत्र के सम्भ्रांत व्यक्ति, ग्राम प्रधान उपस्थिति में आयोजित पीस कमेटी की मीटिंग में आगामी त्योहार चेहल्लुम में निकलने वाले जुलूस विगत वर्ष की भांति पूर्व द्वारा निर्धारित मार्ग से निकलने हेतु बताया गया तथा आवश्यक दिशा निर्देश देते हुए आगामी त्योहार में आने वाली समस्याओं के बारे में समस्त उपस्थित लोगों से पूछा गया। बैठक को संबोधित करते हुए इंस्पेक्टर पंकज कुमार पाण्डेय ने बताया कि बैठक में किसी के द्वारा किसी भी प्रकार की समस्या का नहीं होना बताया गया तथा समस्त को उत्तर प्रदेश शासन व उच्च अधिकारी गण द्वारा दिए गए आदेशों निर्देशों से अवगत कराया गया। इसके साथ ही अपील की गई कि त्योहार को सकुशल शांतिपूर्वक संपन्न कराने में आप सबका सहयोग अपेक्षित है।

## रामकुमार उर्फ चिंकू यादव ने निकाला भव्य तिरंगा बाइक रैली , भीड़ चर्चा का विषय बना

दैनिक बुद्ध का सन्देश

बांसी,सिद्धार्थनगर। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता और डुमरियागंज विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी रामकुमार उर्फ चिंकू यादव की अगुवाई में डुमरियागंज लोकसभा क्षेत्र अन्तर्गत बांसी विधानसभा क्षेत्र में सोमवार को माधव पार्क तिराहा से भव्य तिरंगा बाइक रैली निकाली गई। तिरंगा रैली में हजारों की संख्या में लोग बाइक से शामिल हुए। माधव पार्क से निकाली गई तिरंगा बाइक रैली रोडवेज से होते हुए रानीगंज चौराहा से होकर देबियापुर चौराहे पर पहुंच कर नरकटहा कस्बे के अंदर से होते हुए माघ मेला रोड से होकर मंगल बाजार होते हुए वापस माधव पार्क तिराहे पर रैली का समापन हुआ। तिरंगा रैली में शामिल लोग भारत माता की जय, वंदे मातरम के गगन भेदी



नारे लगा रहे थे, चिंकू यादव के तिरंगा बाइक रैली में उमड़ी भीड़ चर्चा का विषय बनी रही। तिरंगा यात्रा के बाद चिनकू यादव ने कहा कि आज सपा के कार्यकर्ताओं के अपार जनसमूह और उनकी हुंकार को देख कर सत्ता में बैठे हुए लोग अपने को असहज महसूस कर रहे हैं। उन्हें सपा के कार्यकर्ताओं और वफादार सिपाहियो के ताकत का अंदाज लग गया होगा। डुमरियागंज लोक सभा क्षेत्र से यह हुंकार प्रदेश सरकार के ताबूत कि आखिरी कील साबित होगी। रैली में अबरार हुसैन, अंबिकेश श्रीवास्तव, सैयद जीशान, एहसान खान, आतिफ सिद्दीकी, अबू हमजा, अब्दुल अजीज, मैनुद्दीन, असद खान, नजीर, इरफान, असद खान, आमिर खान, इम्तियाज, सत्यनारायण यादव, रघुनंदन पांडे, मुकेश गौतम, विक्रम पासवान, खेसरहा ब्लॉक के पूर्व प्रमुख कमालुद्दीन, मोहम्मद नोमान, सैयद हसमत, आदिलअली, अमन शेख, रिजवान, कामरान, वैभव सिंह, अतुल, शंकर नगर सभासद शकील खान, गौतम बुद्ध नगर सभासद अशफाक अहमद छोटे भाई, इसरार चौधरी इमरान पठान, मोहम्मद अजहरूद्दीन, कलीम खान, मनीष यादव, मोहम्मद रिजवान, तौफीक, मोहम्मद अली, मोहम्मद शकील पूर्व प्रधान, मोहम्मद आजम पूर्व प्रधान, विनोद चौधरी प्रधान, दीपक यादव प्रधान, गोपाल यादव पूर्व प्रधान, अतिउल्लाह, ओम प्रकाश यादव, अनुराग श्रीवास्तव, शादाब अंसारी, शादाब शेख अन्य साथी उपस्थित रहे।

## खिलाड़ियों ने जनपद का मान बढ़ाया, जीता 5 स्वर्ण पदक

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सिद्धार्थनगर। दिल्ली में आयोजित 26 से 27 अगस्त 2023 में



राष्ट्रीय बॉक्सिंग चौंपियनशिप में जिले के परचम लहरा,खिलाडियों ने जीता 5 स्वर्ण पदक जीतकर आए सभी खिलाड़ियों को सनई चौराहे पर हीं क्रीड़ा भारती द्वारा सम्मानित किया। खिलाड़ियों कों सम्बोधित करते हुए क्रीड़ा भारती के प्रान्त अध्यक् अरुण कुमार प्रजापति ने कहा कि जिले के इतिहास में पहली बार बॉक्सिंग जैसे खेल में पदक आया है, ये हमारे लिए और जनपद के लिए बहुत ही गौरव की बात है। शिवशंकर गुप्ता 70 से 75 किलो भार वर्ग में स्वर्ण पदक, मुकेश गुप्ता 40 से 45 किलो भार वर्ग में स्वर्ण पदक, सत्यम भरद्वाज 50 से 55 किलो भार वर्ग में स्वर्ण पदक, रितिक बौद्ध 55 से 60 किलो भार वर्ग में स्वर्ण पदक, हर्ष चौबे 56 से 60 किलो भार वर्ग में स्वर्ण पदक प्राप्त कर अपना लोहा मनवाया। कोच अमन कुमार द्विवेदी ने कहा की जल्द ही सिद्धार्थनगर जिले का नाम खेलो की सब से ऊंची चोटी पर होगा। यह खिलाड़ी निरंतर अभ्यास कर रहे है और जिले के लोगो का बहुत ही अच्छा सपोर्ट मिल रहा है। उक्त अवसर पर क्रीड़ा भारती के प्रान्त सह मंत्री अरुण कुमार त्रिपाठी, एडवोकेट शेष मणि प्रजापति, राकेश त्रिपाठी, सन्नी उपाध्याय सहित अन्य नगर के गणमान्य लोग उपस्थित रहें।

## धोखाधड़ी में वांछित अभियुक्त चढ़ा शोहरतगढ़ पुलिस के हत्थे




दैनिक बुद्ध का सन्देश

शोहरतगढ़,सिद्धार्थनगर। सोमवार को शोहरतगढ़ पुलिस द्वारा थाना स्थानीय पर पंजी.त मु0अ0सं0 281/23 धारा 419, 420, 467, 468, 471 भा0द0वि0 व 66डी आई०टी० एक्ट से संबंधित अभियुक्त चुन्ना कुमार पासवान पुत्र जय जय राम पासवान निवासी वार्ड नंबर 12 गंगा प्रसाद थाना बरौनी जनपद बेगूसराय बिहार को गिरतार कर जेल भेज दिया गया। मिली जानकारी के मुताबिक अभियुक्त नामी गिरामी कंपनियों का एजेंट बताकर लोगों से ठगी किया करते थे, जिसका शोहरतगढ़ पुलिस ने शिकंजा कसा है। उन्होंने यह भी बताया उक्त घटना में जिले की पुलिस टीम लगी हुई है। इस दौरान निरीक्षक रवींद्र सिंह, आरक्षी अमित कुमार, आरक्षी राहुल मौर्य, साइबर सेल आदि मौजूद रहे।

## सम्पादकीय

**जरूरी चीजों की कीमतों को स्थिरता देना बताया गया था। लेकिन बाद में उस बात को भुला दिया गया। इसके विपरीत विभिन्न क्षेत्रों में मोनोपोली कायम करने वाले कदमों को बढ़ावा दिया गया। यह अनेक अध्ययनों का निष्कर्ष है कि आज के दौर की महंगाई मोनोपोली और विक्रेताओं के लगातार मुनाफा बढ़ाने के प्रयासों का नतीजा है। इसकी ...**

# नीतिगत अस्थिरता की मिसाल

निर्यात रोकने के बाद अब सरकार दो लाख टन अतिरिक्त प्याज खरीदेगी। यह खरीदारी निर्यात के आरंभिक भाव 2,410 प्रति क्विंटल की दर से की जाएगी। यह उचित फैसला है। लेकिन सरकार को इस बारे में एक स्थायी नीति बनानी चाहिए। अचानक आयात या निर्यात को रोक देना नरेंद्र मोदी सरकार की खास पहचान बन चुकी है। फैसले चौंकाने वाले अंदाज में लिए जाते हैं, जिससे प्रभावित होने वाले तबकों को किसी पूर्व तैयारी का मौका नहीं मिलता। ऐसी मिसाल हाल में एक तरफ कंप्यूटर और उससे संबंधित उपकरणों का आयात रोकने के निर्णय के रूप में देखने को मिली, तो दूसरी तरफ अचानक चावल और फिर प्याज का निर्यात रोक दिया गया। ऐसे फैसलों से निर्यात शृंखला से जुड़े तमाम उत्पादकों और कारोबारियों के लिए अचानक जो मुसीबत खड़ी होती है और साथ ही अंतरराष्ट्रीय बाजार में भरोसे का जो संकट खड़ा होता है, वर्तमान सरकार उसकी परवाह नहीं करती। मगर इस बार प्याज के मामले में फैसला होते ही प्याज किसान सड़कों पर उतर आए। चुनाव के गरमाते सीजन में किसानों के इस गुस्से से सत्ताधारी दल में आशंकाएं पैदा हुईं। तो अब वाणिज्य एवं उपभोक्ता मामलों के मंत्री पीयूष गोयल ने किसानों को भरोसा दिया है कि उनके नुकसान की भरपाई की कोशिश में सरकार दो लाख टन अतिरिक्त प्याज खरीदेगी। यह खरीदारी निर्यात के आरंभिक भाव 2,410 प्रति क्विंटल की दर से की जाएगी। यह उचित फैसला है। असल में सरकार को इस बारे में एक स्थायी नीति बनानी चाहिए। नौ साल पहले जब मोदी सरकार सत्ता में आई थी, तब एक मूल्य स्थिरता (प्राइस स्टैबलाइजेशन) कोष बनाने का इरादा जताया गया था। उसका मकसद बाजारों में उस कोष के जरिए हस्तक्षेप कर जरूरी चीजों की कीमतों को स्थिरता देना बताया गया था। लेकिन बाद में उस बात को भुला दिया गया। इसके विपरीत विभिन्न क्षेत्रों में मोनोपोली कायम करने वाले कदमों को बढ़ावा दिया गया। यह अनेक अध्ययनों का निष्कर्ष है कि आज के दौर की महंगाई मोनोपोली और विक्रेताओं के लगातार मुनाफा बढ़ाने के प्रयासों का नतीजा है। इसकी कीमत आम उपभोक्ताओं के साथ–साथ कृषि जैसे क्षेत्र में उत्पादकों यानी किसानों को भी चुकानी पड़ रही है। किसानों का सवाल वाजिब है कि जब कीमतें बढने के कारण उन्हें लाभ होने की स्थिति होती है, तो सरकार इसमें ब्रेक क्यों लगा देती है? सरकार को इस प्रश्न का जवाब देना चाहिए।

# बारहवें ज्योतिर्लिंग के रूप में विराजमान हैं घृणेश्वर महादेव

पवित्र श्रावण मास में चारों दिशाओं में हर हर महादेव की व्याप्ति है। भोलेनाथ प्रसन्न हैं। उनकी प्रसन्नता का द्योतक चंद्रयान 3 का चंद्रमा पर पहुंच जाना है। उस पवित्र स्थल को शिव शक्ति के नाम से अभिहित किया गया है। देश के वैज्ञानिकों ने यत्न किया और चांद पर भारत का एक बार फिर डंका बज गया। शिव की .पा ही है कि भारतीय अर्थव्यवस्था दुनिया के लिए उदाहरण बनकर प्रस्तुत हुई है। घृणेश्वर महादेव में उन लोगों को जरूर दर्शन करना चाहिए जिनके पास संतान नहीं हैं। यदि किसी भी व्यक्ति के संतान बीमार हों और वे ठीक नहीं हो रहे हों तो माता पिता को घृणेश्वर महादेव का दर्शन अवश्य करना चाहिए। महाराष्ट्र में औरंगाबाद के समीप दौलताबाद से 11 किलोमीटर दूर घृणेश्वर महादेव का मंदिर स्थित है। यह 12 ज्योतिर्लिंगों में अंतिम ज्योतिर्लिंग है। कुछ लोग इस पवित्र स्थान को घुश्मेश्वर नाम से भी पुकारते हैं। ऐतिहासिक प्रमाणों के अनुसार बौद्ध भिक्षुओं द्वारा निर्मित एलोरा की प्रसिद्ध गुफाएं इसी मंदिर के निकट हैं। सनातनी एकीकरण के उद्देश्य को लेकर जगतगुरु आदि शंकराचार्य जी ने 12 ज्योतिर्लिंगों का जीर्णोद्धार कराया। बौद्ध और जैन धर्म ने वैदिक धर्म को जो धक्का दिया था, उसको शंकराचार्य जी ने सम्हाला ही नहीं बल्कि मठों और मंदिरों की संस्ति को और अधिक पुख्ता किया। छठवीं शताब्दी ईसा पूर्व महात्मा बुद्ध के कुछ समय पश्चात सनातनी एकीकरण के सबसे बड़े अग्रदूत जगत गुरु आदि शंकराचार्य जी थे। मध्यकालीन भारत में गोस्वामी तुलसीदास जी ने भारतीय सभ्यता और संस्ति के डूबते हुए काल को श्रीरामचरित मानस लिखकर बचाया। बुद्ध का संदेश के संपादक आदरणीय श्री राजेश शर्मा जी का बहुत बहुत आभार है, जिन्होंने पवित्र श्रावण मास में बारह ज्योतिर्लिंगों के साथ शिव शक्ति की महिमा के बखान की अभिव्यक्ति के लिए मुझे नित्य प्रकाशित किया। इस अखबार और इसके सम्पूर्ण परिवार पर भगवान भोलेनाथ की .पा बनी रहे। हर हर महादेव।

**लेखक विनय कांत मिश्र/दैनिक बुद्ध का सन्देश**

# ब्रिक्स तो चीन का ही फ्रंट है

**इस साल मई तक एक सौ के करीब अंतरराष्ट्रीय परियोजनाओं के लिए ब्रिक्स बैंक ने करीब 33 अरब डश्लर का कर्ज सदस्य देशों को दिया था। अगर ब्रिक्स में नए सदस्य जुड़ते हैं और साथ साथ ब्रिक्स बैंक के देशों की सदस्यता बढ़ती है तो इसके लिए पूंजी जुटाने और सदस्य देशों की परियोजनाओं के लिए फंडिग करने में भी आसानी होगी। तभी न्यू डेवलपमेंट बैंक को पश्चिमी देशों की फंडिग से चलने ...**

हरिशंकर व्यास

चंद्रयान–तीन की सफलता, राष्ट्रवाद के उफान और मोदी के विश्व नेतृत्व के बीच यह नहीं देखा जा रहा है कि पांच देशों के समूह ब्रिक्स के विस्तार की कूटनीति असल में चीन की कूटनीति का हिस्सा है। ब्रिक्स उसी तरह से चीन का फ्रंट है, जैसे शंघाई सहयोग संगठन है। एक एक करके जिस तरह से शंघाई सहयोग संगठन में नए सदस्य जुड़ रहे हैं और फिर उनको ब्रिक्स में जगह मिल रही है वह नई विश्व व्यवस्था में चीन की जगह मजबूत करने वाला साबित हो सकता है। मिसाल के तौर पर कुछ समय पहले ही ईरान को शंघाई सहयोग संगठन का सदस्य बनाया गया और अब जोहान्सबर्ग में उसको ब्रिक्स का पूर्ण सदस्य बनाने का फैसला भी हो गया। इसमें संदेह नहीं है कि ईरान के साथ भारत के संबंध भी अच्छे हैं और भारतीय मुद्रा में उसके साथ भारत का कारोबार चलता रहा है। लेकिन ऐसा नहीं है कि भारत ने उसको एससीओ या ब्रिक्स में शामिल कराने की पहल की है। भले अभी कुछ भी कहा जाए लेकिन थोड़े समय पहले तक भारत ब्रिक्स के विस्तार के समर्थन में नहीं था। तभी अंतरराष्ट्रीय मीडिया ने इस तरह की खबरें दी थीं। यह अनायास नहीं है कि ब्रिक्स के विस्तार को साइनोफोबिया यानी चीन के प्रति भय की तरह पेश किया गया। यह कहा गया कि ब्रिक्स का विस्तार करके चीन अपना प्रभाव बढ़ाना चाहता है। ब्रिक्स में शामिल भारत और ब्राजील दोनों के बारे में कहा जा रहा था कि वे विस्तार के पक्ष में नहीं हैं। यह भी कहा जा रहा था कि ये दोनों देश पश्चिमी देशों खास कर अमेरिका को नाराज नहीं करना चाहते हैं। अभी जोहान्सबर्ग में हुए 15वें ब्रिक्स सम्मेलन में जिन छह देशों को इसका सदस्य बनाया गया है उनमें से अर्जेंटीना के बारे में कहा जा रहा था कि वह इसका हिस्सा बनने के लिए इच्छुक नहीं था। लेकिन चीन ने ब्राजील के राष्ट्रपति लूला की मदद से उसको तैयार कराया कि वह ब्रिक्स का सदस्य बने। ईरान और इंडोनेशिया का नाम पहले से तय बताया जा रहा था लेकिन किसी कारण से इंडोनेशिया को इस बार नहीं शामिल किया गया। छह में से चार इस्लामिक देश इसका हिस्सा बने हैं। हालांकि इनमें से सऊदी अरब, मिस्र और संयुक्त अरब अमीरात पर अमेरिका का असर है और उनकी कूटनीति व अर्थनीति दोनों अमेरिका के साथ जुड़ी है। लेकिन चीन को पता है कि अगर आने वाले दिनों में टकराव बढ़ता या सचमुच दुनिया सभ्यताओं के संघर्ष की ओर बढ़ेगी तो ये इस्लामी देश अंततरू उसके साथ आएंगे। ध्यान रहे छह नए देशों में से चार इस्लामिक मुल्क हैं और इथियोपिया में भी 30 फीसदी से ज्यादा आबादी मुस्लिम है। यह भी तथ्य है कि इन सभी छह नए देशों में चीन का बहुत बड़ा निवेश है। यह सही है कि इनके साथ भारत के भी अच्छे संबंध हैं लेकिन चीन के साथ इन देशों की अर्थव्यवस्था जुड़ी है। अमेरिका और यूरोपीय देशों को भारत से खतरा नहीं है, बल्कि वे भारत की मदद से चीन के खतरे को काबू करने की सोच रहे हैं और इसलिए भारत को ज्यादा महत्व दे रहे हैं। लेकिन उनको भी लग रहा है कि ब्रिक्स का विस्तार जी–सात, नाटो या यूरोपीय संघ के लिए चुनौती है। वे इसे इन तीनों संगठनों के विकल्प के तौर पर चीन के प्रयास के रूप में देख रहे हैं। इसका कारण यह भी है कि ब्रिक्स एक राजनीतिक व कूटनीतिक संगठन के तौर पर तो मजबूत हो ही रहा है साथ ही ब्रिक्स बैंक यानी न्यू डेवलपमेंट बैंक भी बहुत मजबूत हो रहा है। ब्रिक्स में छह नए देशों को शामिल करने से पहले ही संयुक्त अरब अमीरात, बांग्लादेश और मिस्र को इसका सदस्य बनाया गया है और लैटिन अमेरिकी देश उरुग्वे को सदस्य बनाने की प्रक्रिया चल रही है। इस साल मई तक एक सौ के करीब अंतरराष्ट्रीय परियोजनाओं के लिए ब्रिक्स बैंक ने करीब 33 अरब डॉलर का कर्ज सदस्य देशों को दिया था। अगर ब्रिक्स में नए सदस्य जुड़ते हैं और साथ साथ ब्रिक्स बैंक के देशों की सदस्यता बढ़ती है तो इसके लिए पूंजी जुटाने और सदस्य देशों की परियोजनाओं के लिए फंडिंग करने में भी आसानी होगी। तभी न्यू डेवलपमेंट बैंक को पश्चिमी देशों की फंडिंग से चलने वाली अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थाओं जैसे विश्व बैंक और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के लिए चुनौती की तरह देखा जा रहा है। अभी एक दर्जन से ज्यादा देश ब्रिक्स की सदस्यता मिलने की उम्मीद कर रहे हैं। तभी अमेरिका और यूरोपीय देश इसे लेकर चिंता में हैं तो दूसरी ओर चीन अफ्रीका व लैटिन अमेरिका में अपने सहयोगी देशों की मदद से इसे आगे बढ़ा रहा है। भारत महाशक्तियों के इस खेल में क्या भूमिका निभा पाएगा यह कहना अभी मुश्किल है।

**दुनिया के विकसित देशों में लश्च एंड अश्चर्डर, इन्वेस्टिगेशन और प्रश्नसीक्यूशन के लिए अलग अलग पुलिस होती है। भारत में एक ही पुलिस सारे काम करती है। अगर पुलिस सिस्टम को नहीं बदला जाता है, पुलिस का बेहतर प्रशिक्षण नहीं होता है तब तक कानून बदलने का कोई खास फायदा नहीं होगा। न्यायिक व्यवस्था भी पहले वाली ही रहनी है। बुनियादी ढांचे की कमी की वजह से नीचे से ...**

# नए कानून क्या न्याय की गारंटी होंगे ?

अजीत द्विवेदी

भारतीय दंड संहिता की जगह अब भारतीय न्याय संहिता लागू की जाएगी। अपराध प्रक्रिया संहिता की जगह अब भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता लागू होगी और साक्ष्य कानून की जगह भारतीय साक्ष्य कानून लागू होगा। केंद्र सरकार ने इसके लिए मॉनसून सत्र में तीन विधेयक पेश किए और तीनों विधेयकों को गृह मामलों की संसदीय समिति के पास विचार के लिए भेज दिया गया है। संसदीय समिति को तीन महीने का समय दिया गया है। इसका मतलब है कि नवंबर में जब संसद का शीतकालीन सत्र शुरू होगा तब तक संसदीय समिति की रिपोर्ट आ चुकी होगी और उसके हिसाब से सुझावों–संशोधनों को इसमें शामिल करके बिल को पास कराने के लिए संसद में रखा जा सकता है। अगर ये तीनों बिल पास हो जाते हैं, जिसकी पूरी संभावना है तो यह देश की न्यायिक व्यवस्था में एक नए दौर की शुरुआत होगी। ध्यान रहे भारतीय दंड संहिता 1861 में लागू की गई थी, जिसे थोड़े बहुत बदलाव के साथ अभी तक जारी रखा गया है। अपराध प्रक्रिया संहिता को 1973 में लागू किया गया था और साक्ष्य कानून 1872 में अस्तित्व में आया था। इनमें समय समय पर बदलाव किया गया और देश, समाज की बदलती जरूरतों के हिसाब से इन्हें नया रूप देने की कोशिश की गई। लेकिन कभी भी इसे पूरी तरह से बदलने का प्रयास नहीं हुआ या मौजूदा समय की जरूरत के हिसाब से व्यापक बदलाव नहीं किया गया। इस लिहाज से कह सकते हैं कि सरकार का प्रयास गंभीर है, जरूरी है और व्यापक भी है। लंबे विचार विमर्श के बाद इन तीनों कानूनों में बदलाव का मसौदा बना है और उसे संसद में रखा गया है।

इन तीनों कानूनों में बदलाव के लिए पेश किए गए मसौदे पर कानूनी जानकारों ने बहुत बारीकी से विचार किया है और इसकी कमियों, खूबियों को उजागर किया है। हालांकि देश के अनेक जाने–माने कानूनी जानकार दलगत निष्ठा से बंधे हुए हैं या वैचारिक आधार पर मुख्तलिफ राय रखते हैं। इसलिए उनकी समीक्षा बुनियादी रूप से एकतरफा है। ऐसा नहीं है कि इन तीनों कानूनों में सब कुछ खराब है। इसमें कुछ अच्छी और जरूरी चीजें भी हैं लेकिन इसकी जो खामी है वह बहुत बड़ी है और उम्मीद करनी चाहिए कि संसदीय समिति उस पर गंभीरता से विचार करेगी और सरकार को उसे बदलने की सिफारिश करेगी। अपराध प्रक्रिया संहिता की जगह सरकार भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता का जो मसौदा लेकर आई है उसमें सबसे बड़ी खामी किसी नागरिक को बिना आरोप लगाए तीन महीने तक पुलिस हिरासत में रखने का प्रावधान है। इसे बदला जाना चाहिए। मौजूदा अपराध प्रक्रिया संहिता में किसी भी नागरिक को बिना आरोप लगाए 60 दिन तक पुलिस हिरासत में रखा जा सकता है। तभी गिरफ्तारी के 24 घंटे के अंदर पुलिस किसी आरोपी को अदालत में पेश करती है और अदालत उसे दो बार या तीन बार पुलिस हिरासत में भेजती है उसके बाद आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया जाता है। नए कानून में प्रावधान है कि गिरफ्तारी के बाद आरोपी को 60 दिन तक हिरासत में रखा जा सकता है और फिर 90 दिन तक बढ़ाया जा सकता है। यह बहुत कठोर और बर्बर प्रावधान है। किसी भी व्यक्ति को बगैर न्यायिक अभिरक्षा के इतने लंबे समय तक अगर पुलिस की हिरासत में रखा जाता है तो यह उसके साथ बहुत बड़ी ज्यादती होगी। इतनी लंबी अवधि में उसके ऊपर दबाव बनाने और उससे जोर जबरदस्ती गुनाह कबूल कराने की संभावना रहेगी। पुलिस हिरासत की इतनी लंबी अवधि किसी को भी तोड़ सकती है। इसमें गुनाहगार और बेगुनाह दोनों के साथ ज्यादती की संभावना है।

इस तरह का प्रावधान करते समय मसौदा तैयार करने वाले जानकारों को दुनिया की बेस्ट प्रैक्टिस के बारे में जानकारी लेनी चाहिए थी। दुनिया में सबसे बेस्ट प्रैक्टिस स्कॉटलैंड में है, जहां बिना आरोप लगाए किसी भी व्यक्ति को सिर्फ छह घंटे तक पुलिस हिरासत में रखा जा सकता है। अगर छह घंटे की अवधि बहुत कम है तो इसे छह दिन किया जा सकता है लेकिन 90 दिन की पुलिस हिरासत का प्रावधान इस पूरी कवायद पर एक दाग है, जिसे हटाना सबसे जरूरी है। इसी तरह से एक कठोर प्रावधान हथकड़ी लगाने का है। भारत में इसका प्रावधान नहीं है लेकिन नए कानून में पुलिस को अपने विवेक से हथकड़ी लगाने का अधिकार दिया जाएगा। इसी तरह विशेष स्थितियों में रात में महिलाओं की गिरफ्तारी का अधिकार दिया जा रहा है और किसी भी गिरफ्तारी के समय हर तरह के उपायों का इस्तेमाल करने का अधिकार भी पुलिस को दिया जा रहा है। अगर यह कानून बनता है तो गिरफ्तारी के समय हिंसा और यहां तक की इनकाउंटर तक को वैधता मिल जाएगी। भारतीय न्याय संहिता में सरकार ने देशद्रोह की धारा हटा दी है लेकिन राज्य के प्रति अपराध को शामिल कर लिया है, जो पहले वाले कानून से ही मिलता जुलता है। राज्य के खिलाफ बोलने या किसी भी माध्यम से की जाने वाली अभिव्यक्ति या वित्तीय लेन–देन को लेकर यह कानून लागू किया जा सकता है। इसमें सात साल से उम्रकैद तक की सजा है। इसलिए कुछ ज्यादा बदलाव होते नहीं दिख रहे हैं, बल्कि पुलिस को पहले के मुकाबले स्वविवेक से ज्यादा फैसले करने का अधिकार दिया जा रहा है। इसके अलावा वकीलों से लेकर आम लोगों तक के लिए एक मुश्किल कानून की धाराओं के नंबर बदले जाने से होगी। नए कानून में हत्या के लिए 302 की जगह धारा 101 लगेगी और धोखाधड़ी के लिए धारा 420 की जगह 316 होगी। पिछले 163 साल में लोगों की जुबान पर ये धाराएं हैं। पुराने मामलों में मुकदमे इन्हीं धाराओं में चल रहे हैं और दस्तावेजों में पुरानी धाराएं ही लिखी हुई हैं। सो, एक ही अपराध के लिए दो–दो धाराएं कानूनी प्रक्रिया में इस्तेमाल होंगी, इससे कंफ्यूजन बनेगा। बहरहाल, इस कानून में कुछ अच्छे प्रावधान हैं, जैसे इसमें कहा गया है कि किसी भी व्यक्ति या संस्था के खिलाफ शिकायत मिलने से लेकर जांच और अदालत में सुनवाई तक का पूरा रिकॉर्ड डिजिटल रखा जाएगा। इसका फायदा यह होगा कि सभी पक्षों के लिए सारी जानकारी को एक्सेस करना बहुत आसान हो जाएगा। इसे लंबे समय तक सुरक्षित रखा जा सकेगा और बहुत आसानी से एक्सेस किया जा सकेगा। एक दूसरा प्रावधान यह है कि पुलिस किसी व्यक्ति के यहां छापा मारती है या उसे गिरफ्तार करने जाती है तो पूरी प्रक्रिया की वीडियोग्राफी होगी। इससे गिरफ्तारी या छापे के समय होने वाली ज्यादतियों में कमी आएगी और किसी को गलत तरीके से फंसाने के लिए सबूत प्लांट करने की घटनाएं बंद होंगी या कम होंगी। तीनों नए कानूनों में ढेर सारे प्रावधान हैं, जिन पर बारीकी से विचार करने की जरूरत है। लेकिन इन कानूनों पर विचार के बीच एक बड़ा सवाल यह भी है कि सिर्फ कानून बदलने से क्या होगा? कानून को लागू करने वाला सिस्टम जब वही है तो कानून या उसकी धाराओं में बदलाव कर देने से क्या बदलेगा? देश का पुलिस सिस्टम नहीं बदला जा रहा है।

# पाकिस्तानी दिग्गज वसीम अकरम का बयान, कहा– विश्वकप 2023 से पहले एशिया कप में गेंदबाजों की होगी परीक्षा

दुबई। पाकिस्तान के दिग्गज तेज गेंदबाज वसीम अकरम ने कहा कि आगामी एशिया कप में वनडे विश्वकप से पहले उपमहाद्वीप के गेंदबाजों की 50 ओवर के प्रारूप के लिए तैयारियों की परीक्षा होगी। एशिया कप बुधवार से शुरू होगा जिसका पहला मैच मुल्तान में पाकिस्तान और नेपाल के बीच खेला जाएगा लेकिन सभी की निगाहें भारत और पाकिस्तान के बीच कैंडी में दो सितंबर को होने वाले मैच पर टिकी हैं। अकरम ने यहां एक कार्यक्रम के दौरान पत्रकारों से कहा,'' चाहे वह भारत हो या पाकिस्तान या फिर श्रीलंका, सभी यह परखना चाहेंगे कि क्या गेंदबाज 10 ओवर करने में सक्षम हैं या नहीं क्योंकि

इन दिनों उन्हें प्रति मैच चार ओवर करने की आदत पड़ी हुई है।'' एशिया कप पिछले साल टी–20 प्रारूप में खेला गया था लेकिन इस बार इसे 50 ओवरों के प्रारूप में आयोजित किया जा रहा है। अकरम ने इसे स्वागत योग्य कदम बताया।

उन्होंने कहा,'' एसीसी (एशियाई क्रिकेट परिषद) का 50 ओवरों के प्रारूप में एशिया कप का आयोजन करना अच्छा विचार है क्योंकि इसके ठीक बाद विश्वकप आयोजित किया जाएगा।'' अकरम ने किसी भी टीम को खिताब का प्रबल दावेदार बताने से इंकार कर दिया लेकिन कहा कि प्रत्येक टीम के लिए राह आसान नहीं होगी। उन्होंने कहा,'' पिछली बार हमने भारत और पाकिस्तान के बीच फाइनल की भविष्यवाणी की थी लेकिन श्रीलंका ने प्रतियोगिता जीती। यह तीनों टीम खतरनाक है और इनमें से कोई भी जीत हासिल कर सकता है। अन्य टीमें भी भाग ले रही हैं। पिछली बार श्रीलंका ने खिताब जीता और भारत फाइनल में भी नहीं पहुंच पाया था।''

अकरम ने कहा,''भारत और पाकिस्तान के बीच मैच महत्वपूर्ण है। हम जानते हैं कि बहुत से लोग इसे देखते हैं लेकिन अन्य टीमें भी यहां खेलने के लिए पहुंची हैं और आप श्रीलंका या बांग्लादेश को कम करके नहीं आंक सकते हैं।'' अकरम ने कहा कि भारत ने एशिया कप के लिए संतुलित टीम का चयन किया है। उन्होंने कहा,'' मुझे लगता है कि वह भिन्न चीजों को आजमा रहे हैं विशेषकर टी–20 प्रारूप में नए खिलाड़ियों को मौका दे रहे हैं और उनका कप्तान भी नया है। उनकी टीम संतुलित है लेकिन भारत या किसी अन्य टीम के लिए काम आसान नहीं होगा।

# जेवलिन थ्रो फाइनल में भारत बनाम पाकिस्तान जैसे मुकाबले पर नीरज चोपड़ा का बयान, जानें क्या कहा ?

भारतीय जेवलिन थ्रो को दुनिया के पटल पर अलग मुकाम पर पहुंचाने वाले नीरज चोपड़ा को एक और कामयाबी मिली है। दरअसल, वर्ल्ड एथलेटिक्स चौंपियनशिप 2023 में नीरज चोपड़ा ने इतिहास रचते हुए गोल्ड मेडल जीता है। वो एथलेटिक्स चौंपियनशिप में गोल्ड मेडल जीतने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बन गए हैं। जहां नीरज पोडियम पर टॉप पर रहे वहीं पाकिस्तान के अरशद नदीम ने दूसरा स्थान हासिल किया और सिल्वर अपने नाम किया। इवेंट के बाद नीरज ने बताया कि पुरुषों के जेवलिन थ्रो फाइनल को किस तरह से देखा जाता था। खासकर घर में, इस प्रतियोगिता को भारत और पाकिस्तान के बीच लड़ाई करार

दिया गया था।

नीरज और अरशद काफी समय से एक–दूसरे से प्रतिस्पध ार्ा कर रहे हैं। जब भी दोनों एक साथ मैदान पर उतरे हैं भारतीय एथलीट ही टॉप पर रहे हैं। विश्व एथलेटिक्स चौंपियनशिप में भी यही मामला जहां फाइनल में 88.17 मीटर के थ्रो के साथ नीरज विजयी हुए वहीं नदीम 87.82 मीटर के थ्रो के साथ दूसरे नंबर पर रहे।

नीरज ने कार्यक्रम के बाद इंडियन एक्सप्रेस के हवाले से कहा कि, मैं प्रतियोगिता से पहले अपने मोबाइल का ज्यादा इस्तेमाल नहीं करता हूं लेकिन आज मैंने इसे देखा और पहली बात भारत बनाम पाकिस्तान थी लेकिन अगर आप देखें तो यूरोपीय एथलीट बहुत खतरनाक हैं और किसी भी समय वे एक बडाध थ्रो कर सकते हैं। सिर्फ इतना ही नहीं अरशद, जैकब और जूलियन वेब हैं। इसलिए आखिरी थ्रो तक आपको अन्य थ्रोअर के बारे में सोचते रहना होगा लेकिन बात ये है कि घर पर भारत बनाम पाकिस्तान की तुलना होगी।

एशियाई खेल अगला बड़ा आयोजन है जिसमें नदीम और नीरज भाग लेंगे। नीरज ने स्वीकारा है कि महाद्वीपीय आयोजन में भारत बनाम पाकिस्तान की चर्चा ज्यादा होगी। उन्होंने कहा, ष्मुझे लगता है कि एशियाई खेलों में भारत बनाम पाकिस्तान के बारे में ज्यादा चर्चा होगी। लेकिन मैं निश्चित और स्वस्थ रहूंगा।ष्

नीरज ने साथ ही ये भी कहा कि, अरशद को दूसरे स्थान पर देखकर काफी खुशी हो रही है। ये स्वीकार करते हुए कि भारत और पाकिस्तान दोनों उस प्रतियोगिता में कितने आगे आ गए हैं। जिसमें पारंपरिक रूप से यूरोपीय देशों का वर्चस्व था। उन्होंने कहा कि मुझे अच्छा लगा कि अरशद ने अच्छा थ्रो किया और हमने चर्चा की कि हमारे दोनों देश अब कैसे आगे बढ़ रहे हैं। पहले यूरोपीय एथलीट थे लेकिन अब हम उनके स्तर पर पहुंच चुके हैं।

# वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप में नीरज चोपड़ा ने फिर लहराया भारत का परचम, सुनहरे अक्षरों में दर्ज किया अपना नाम, ऐसा रहा है सफर

भारतीय दिग्गज जैवलिन थ्रोअर नीरज चोपड़ा हर टूर्नामेंट में नया इतिहास रचते जा रहे है। वर्ल्ड एथलेटिक्स चौंपियनशिप 2023 में कई भारतीय खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया है जिसमें सबसे सबसे ऊपर नाम नीरज चोपड़ा का है जिन्होंने सीधे गोल्ड मेडल अपने नाम किया है। उन्होंने पाकिस्तान के एथलीट नदीम को मात देकर इतिहास में अपना नाम सुनहरे अक्षरों से लिखवा लिया है। हरियाणा के पानीपत जिले के खंडरा गांव के नीरज चोपड़ा आज भारत के महानतम खिलाड़ियों की सूची में शामिल है। उनका खेल का सफर बेहद गौरवमई रहा है। नीरज चोपड़ा ने अपना वजन कम करने के लिए खेलना शुरू किया था मगर कोई नहीं जानता था कि ये लड़का इतिहास के पन्नों पर अपना नाम दर्ज कर लेगा और भारत को गौरव दिया है। नीरज चोपड़ा ने हर कदम पर नई विजयगाथा लिखी है। दो वर्ष पहले टोक्यो ओलंपिक खेलों में ओलंपिक ट्रैक और फील्ड स्पर्धा में नीरज चोपड़ा ने महज 23 वर्ष की उम्र में पहला गोल्ड मेडल भारत को दिलाया था। पिछले दो साल में हर टूर्नामेंट में उन्होंने 86 मीटर से ऊपर का थ्रो फेंका है। पिछले साल जून में स्टॉकहोम डायमंड लीग में उन्होंने 89 . 94 मीटर का थ्रो फेंककर दूसरा स्थान हासिल किया था। गौरतलब है कि दिग्गज निशानेबाज अभिनव बिंद्रा के बाद ओलंपिक की व्यक्तिगत स्पर्धा में स्वर्ण जीतने वाले वह दूसरे भारतीय बने। भारत का एथलेटिक्स जो लंबे अर्से से अपने अस्तित्व को ढूंढ रहा था उसे ऐसा सितारा मिला जिसने पूरी दुनिया में भारत के नाम का लोहा मनवाया और हर स्पर्धा में गोल्ड मेडल से नीचे तक कोई

स्थान हासिल नहीं किया है। नीरज चोपड़ा ही हर उपलब्धि और हर जीत में पूरा देश उनकी कामयाबी की चकाचौंध में डूब गया है। नीरज चोपड़ा द्वारा अलग अलग स्पर्धाओं में यह सिलसिला बदस्तूर जारी है। बता दें कि इससे पहले अभिनम बिंद्रा ने ओलंपिक 2008 में दस मीटर एयर राइफल स्पर्धा में गोल्ड मेडल जीता था। वहीं भारतीय हॉकी टीम भी भारत को आठ गोल्ड मेडल दिला चुकी है। वहीं बुडापेस्ट में विश्व चौंपियनशिप में गोल्ड मेडल जीतने वाले नीरज चोपड़ा ने भारत और पूरे देशवासियों को सिर गर्व से ऊंचा करने का एक और सुनहरा मौका दे दिया है। इस बात में कोई संदेह नहीं है कि बीता सप्ताह पूरे भारत के लिए ऐतिहासिक और शानदार रहा है। चंद्रयान 3 की सफल लैंडिंग, फिडे शतरंज विश्व कप में उपविजेता रहे आर प्रज्ञानंदा और अब नीरज चोपड़ा का फिर से गोल्ड मेडल पर निशाना साधना भारतीय खेल के इतिहास में नई इबारत लिख रहा है। इसके साथ ही नीरज चोपड़ा ने एक और उपलब्धि हासिल की है। अभिवन बिंद्रा के बाद वो दूसरे भारतीय हैं जिन्होंने ओलंपिक मेडल और विश्व चौंपियनशिप दोनों जीतने में सफलता पाई है। बिंद्रा ने जहां 23 वर्ष की उम्र में विश्व चौम्पियनशिप और 25 की उम्र में ओलंपिक स्वर्ण जीता था। बता दें कि नीरज चोपड़ा ने सबसे पहले विश्व जूनियर चौम्पियनशिप 2016 में जीत हासिल की थी। इसके बाद उनके जीत का सिलसिला साल दर साल जारी है। टोक्यो ओलंपिक में जीत हासिल करने के बाद उनकी फैन फॉलोइंग पूरे देश में बेतहाशा बढ़ी थी। ऐसा समय भी आया था जब आनलाइन सबसे ज्यादा सर्च किये जाने वाली भारतीय हस्ती बन गए थे। उन्होंने कई वर्ष सीनियर विराट कोहली और रोहित शर्मा को भी ऑनलाइन सर्च में पछाड़ दिया था। ट्विटर और इंस्टाग्राम पर उनके फालोअर बढते चले गए। उन्होंने एक उपलब्धि पिछले साल भी हासिल की जब वो उसेन बोल्ट से भी आगे निकल गए थे। फर्राटा धावक उसेन बोल्ट को पछाड़कर दुनिया के ऐसे एथलीट बन गए जिनके बारे में सबसे ज्यादा लिखा गया है। नीरज चोपड़ा के बारे में 812 लेख छापे गए थे।

# एशियाई हॉकी 5 में भारत अपने अभियान की शुरुआत बांग्लादेश के खिलाफ करेगा

भारतीय पुरुष टीम ओमान के सालालाह में एशियाई हॉकी 5 विश्व कप क्वालीफायर में अपने अभियान की शुरुआत मंगलवार को बांग्लादेश के खिलाफ करेगी। भारत एलीट पूल में मलेशिया, पाकिस्तान, जापान, ओमान और बांग्लादेश के साथ है जबकि चौलेंजर्स पूल में हांगकांग, चीन, इंडोनेशिया, अफगानिस्तान, कजाखस्तान और ईरान शामिल हैं। बांग्लादेश के खिलाफ अभियान शुरु करने के बाद भारत का सामना ओमान से होगा। फिर टीम 30 अगस्त को ओमान और पाकिस्तान से भिड़ेगी जबकि 31 अगस्त को मलेशिया और जापान के सामने होगी। भारत को 2024 एफआईएच हॉकी फाइव्स विश्व कप में जगह बनाने के लिए शीर्ष तीन में रहना होगा। अगले साल इस वैश्विक टूर्नामेंट में कुल 16 देश हिस्सा लेंगे। भारतीय हॉकी टीम के कप्तान मंदीप मोर ने प्रतिस्पर्धा की महत्ता पर जोर देते हुए कहा, ''हर खिलाड़ी के लिए सबसे बड़ा सपना विश्व कप में देश का प्रतिनिधित्व करने का होता है। यह हमारे लिए महत्वपूर्ण टूर्नामेंट है और हम 2024 एफआईएच हॉकी फाइव्स विश्व कप के लिए सीधे क्वालीफाई करना चाहते हैं ताकि हमें बड़े मंच पर खेलने का मौका मिले।

## अब चीन में दाखिल होने पर नहीं कराना होगा कोविड–19 टेस्ट, सरकार ने 30 अगस्त से हटाई पाबंदी

चीन को अब बुधवार से आने वाले यात्रियों से नकारात्मक कोविड–19 परीक्षा परिणाम की आवश्यकता नहीं होगी। यह 2020 की शुरुआत से चीन में लगाए गए वायरस प्रतिबंधों को समाप्त करने की दिशा में एक मील का पत्थर है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता वांग वेनबिन ने सोमवार को एक ब्रीफिंग में बदलाव की घोषणा की। चीन ने वर्षों के कठोर प्रतिबंधों के बाद दिसंबर में ही अपनी ष्शून्य–सीओवीआईडीष् नीति समाप्त कर दी, जिसमें कई बार पूरे शहर में लॉकडाउन और संक्रमित लोगों के लिए लंबे समय तक पृथकवास शामिल था। उन उपायों के हिस्से के रूप में, आने वाले यात्रियों को सरकार द्वारा नामित होटलों में हफ्तों तक संगरोध करना आवश्यक था। प्रतिबंधों ने दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था को धीमा कर दिया, जिससे बेरोजगारी बढ़ गई और अशांति की दुर्लभ घटनाएं हुईं। समाचार एजेंसी रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार, बीजिंग ने कहा कि वह बुधवार से सभी श्रेणियों के वीजा फिर से जारी करना शुरू कर देगा। ब्टप्क–19 से बचाव के लिए अंतिम सीमा पार नियंत्रण उपाय को हटाने की यह खबर अधिकारियों द्वारा वायरस पर जीत की घोषणा के लगभग एक महीने बाद आई है। यह निर्णय चीन और शेष विश्व के बीच दोतरफा यात्रा को सामान्य बनाने के एक बड़े प्रयास का हिस्सा है। विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को घोषणा की कि चीन के उन हिस्सों में एक बार फिर से वीजा–मुक्त प्रवेश उपलब्ध होगा, जहां महामारी से पहले इसकी आवश्यकता नहीं थी। इसमें दक्षिणी पर्यटक द्वीप हैनान, जो रूसियों के बीच लंबे समय से पसंदीदा गंतव्य है, साथ ही शंघाई बंदरगाह से गुजरने वाले क्रूज जहाज भी शामिल होंगे। उत्तर कोरिया में कोविड से जुड़ी पाबंदियों में ढीलः उत्तर कोरिया ने कहा कि विश्व भर में महामारी की स्थिति में सुधार आने के मद्देनजर वह विदेशों में रह रहे अपने नागरिकों को स्वदेश लौटने की अनुमति देगा, क्योंकि देश कोविड–19 से जुड़ी पाबंदियों में ढील दे रहा है। सरकारी मीडिया के जरिये जारी एक संक्षिप्त बयान के मुताबिक, आपातकालीन महामारी रोकथाम मुख्यालय ने कहा है कि उत्तर कोरिया स्वदेश लौटने वाले लोगों को उचित चिकित्सा निगरानी के लिए एक सप्ताह पृथकवास में रखेगा।

## फ्लोरिडा के स्टोर में जिस बंदूकधारी ने की थी तीन अश्वेतों की हत्या, वो मानसिक रूप से बीमार, शेरिफ ने दी जानकारी

जैकसनविले। फ्लोरिडा के एक स्टोर में तीन अश्वेत लोगों की गोली मारकर हत्या करने वाले 21 वर्षीय श्वेत युवक के बारे में स्थानीय शेरिफ ने बताया कि हमलावर मानसिक रूप से बीमार था। जैकसनविले के शेरिफ टी के वाटर्स ने बताया, ''रेयान पामीटर ने सबसे पहले जैकसनिवले स्टोर के बाहर कार में बैठी एक महिला को गोली मारी। इसके कुछ देर बाद वह स्टोर में दाखिल हुआ और एक अन्य व्यक्ति पर गोली चला दी। चंद मिनटों

के बाद उसने तीसरे अश्वेत व्यक्ति की भी गोली मारकर हत्या कर दी।'' वाटर्स ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि वारदात में पामीटर ने एआर–15 सेमी–ऑटोमेटिक राइफल का इस्तेमाल किया था। उन्होंने बताया कि पामीटर ने सभी कानूनी प्रक्रियाओं का पालन करते हुए इस साल अप्रैल और जून में बंदूकें खरीदी थीं। उसने तीन लोगों की हत्या करने के बाद खुद को भी गोली मार ली थी। वाटर्स के अनुसार, पामीटर को इलाज के बाद एक मानसिक स्वास्थ्य केंद्र से छुट्टी दे दी गई थी, जिस कारण बंदूक का लाइसेंस देने से पहले उसकी पृष्ठभूमि की जांच के दौरान उसके मानसिक रूप से बीमार होने की बात सामने नहीं आ सकी। वाटर्स ने शनिवार की गोलीबारी में मारे गए लोगों की पहचान डॉलर जनरल एंजेला मिशेल कार (52), स्टोर के कर्मचारी ए जे लागुएरे (19) और खरीदार जेराल्ड गैलियन (29) के रूप में की। शेरिफ के मुताबिक, पामीटर पास की क्ले काउंटी में अपने माता–पिता के साथ रहता था। उसने गोलीबारी के दौरान अपने पिता को संदेश भेजा था कि वह उसके कमरे में जाएं। वाटर्स ने बताया कि पामीटर के पिता को उसके कमरे में एक सुसाइड नोट मिला था, जिसकी बेहद नस्ली थी। घटना के बाद सैकड़ों लोगों ने रविवार को गिरजाघरों में प्रार्थना की। अमेरिका में राष्ट्रपति पद के चुनाव के लिए रिपब्लिकन पार्टी की उम्मीदवारी की दौड़ में शामिल फ्लोरिडा के गवर्नर रॉन डिसेंटिस इस घटना के बाद नागरिक अधिकार कार्यकर्ताओं के निशाने पर हैं, क्योंकि उन्होंने प्रांत में बंदूक कानून में ढील दी है। घटना वाली जगह का प्रतिनिधित्व करने वाली जैकसनविले नगर परिषद की महिला पार्षद जूकोबी पिटमैन ने कहा, ''आज किसी पार्टी का सवाल नहीं है। गोली किसी पार्टी को नहीं जानती।'' डिसेंटिस ने बताया कि सोमवार को प्रशासन कॉलेज एडवर्ड वाटर्स यूनिवर्सिटी में प्रभावित परिवारों की सुरक्षा और मदद के लिए वित्तीय सहायता की घोषणा करेगा। अश्वेतों के लिए स्थापित यह विश्वविद्यालय घटनास्थल से कुछ ही दूरी पर स्थित है। डिसेंटिस ने कहा, ''हमलावार ने जो किया, वह फ्लोरिडा में पूरी तरह से अस्वीकार्य है। हम किसी को भी लोगों को उनकी नस्ल या जाति के आधार पर निशाना बनाने की अनुमति नहीं देंगे।

# लूला डा सिल्वा का लक्ष्य ब्राजीलियाई लोकतंत्र को बहाल करना

साओ पाउलो। ब्राजील के बेलेम शहर में नौ अगस्त को संपन्न हुआ एमेजन शिखर सम्मेलन का समय राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला डा सिल्वा के लिए उपयुक्त साबित हुआ। इस शिखर सम्मेलन ने लूला को अपने देश की पर्यावरणीय और अंतरराष्ट्रीय साख बहाल करने का मौका दिया है। उन्होंने अपने पूर्ववर्ती जायर बोलसोनारो के कार्यकाल को इस लिहाज से चार ''विनाशकारी'' वर्ष बताया था। शिखर सम्मेलन के अंत में आठ दक्षिण अमेरिकी देशों – बोलिविया, ब्राजील, कोलंबिया, इक्वाडोर, गुयाना, पेरू, सुरीनाम और वेनेजुएला ने सतत विकास को बढ़ावा देने, वनों की कटाई को खत्म करने तथा वनों की कटाई के लिए जिम्मेदार संगठित अपराध से निपटने के लिए एक विस्तृत रूपरेखा पेश करते हुए एक संयुक्त घोषणापत्र पर हस्ताक्षर किए।

बहरहाल, शिखर सम्मेलन में भाग लेने वाले लोग पर्यावरणविदों और आदिवासी समूहों की प्रमुख मांगों पर सहमत नहीं हुए जिसमें ब्राजील द्वारा अवैध रूप से वनों की कटाई को 2030 तक खत्म करने का संकल्प लेने और कोलंबिया द्वारा नए

तेल अन्वेषण को रोकने का संकल्प लेने की मांग शामिल है। 'बर्टल्समैन स्टिफटंग्स ट्रांसफोर्मेशन इंडेक्स' की 2022 में आयी एक रिपोर्ट के अनुसार, बोलसोनारो ने ''लगातार'' यह दिखाया कि वह अपनी कथनी और करनी दोनों से लोकतंत्र के लिए खतरा पैदा करते हैं। बोलसोनारो ने अहम पदों पर अपने सहयोगियों को तैनात कर और बजट में कटौती कर मानवाधिकारों तथा पर्यावरण की रक्षा करने वाले संस्थानों पर लगाम कसी।

ब्राजील की सबसे महत्वपूर्ण पर्यावरणीय एजेंसी 'ब्राजील इंस्टीट्यूट ऑफ एनवायरमेंट एंड रीन्यूएबल नैचुरल रिसोर्सेज' के बजट में भी कटौती गयी जिससे उसके पर्यावरण की रक्षा संबंधी कामों पर असर पड़ा जैसे कि अवैध रूप से वनों की कटाई तथा आदिवासी जमीनों पर अवैध खनन पर नजर रखना। बोलसोनारो की आव्रजन नीति से प्राधिकारियों को विदेशियों को देश से तेजी से हटाने का मौका मिल गया। उन्होंने कोविड–19 की गंभीरता और जन स्वास्थ्य संबंधी उपायों तथा टीकों की प्रभाविता भी खारिज की। इसके परिणामस्वरूप ब्राजील में कोविड–19 संक्रमण और मौत की दर ज्यादा रही। इसके बाद बोलसोनारो 2022 का चुनाव लूला से हार गए। लूला ने अपने प्रचार अभियान में लोकतंत्र को पुनर्जीवित करने तथा उसके संस्थानों को मजबूत करने की आवश्यकता पर जोर दिया। लूला को मिले जनादेश का केंद्र इन संस्थानों की शक्तियां बहाल करना था। अगर बजट में कटौती और राजनीतिक हस्तक्षेप करना आसान है तो चीजों को पहले जैसा करना उतना ही मुश्किल है।

विश्वसनीयता बहाल करने का तरीका विदेश नीति और रणनीतिक साझेदारों, अंतरराष्ट्रीय संगठनों तथा एनजीओ (गैर सरकारी संगठनों) के साथ संवाद तथा रिश्ते बहाल करना है। इसके साथ ही, लूला पर्यावरण, मानवाधिकार और गरीबी उन्मूलन जैसे विषयों पर जोर दे सकते हैं। लूला पूर्व प्रशासन तथा अपने ही सहयोगियों से मिली चुनौतियों का सामना करते रहेंगे। उन्हें अपनी वर्कर्स पार्टी के कट्टरपंथियों पर काबू करना होगा जो कभी–कभी घरेलू राजनीति में अलोकतांत्रिक समाधान तलाशते नजर आते हैं जैसे कि प्रेस और मीडिया पर नियंत्रण। सैन्य शासन खत्म होने के कई वर्षों बाद भी ब्राजील का लोकतंत्र अभी निर्माण के स्तर से गुजर रहा है और कोई भी चूक जन स्वतंत्रता तथा सामाजिक एवं पर्यावरणीय अधिकारों को खतरनाक झटका दे सकती है।

# दत्तपुकुर विस्फोट को लेकर बीजेपी ने की एनआईए जांच की मांग, सुवेंदु का दावा– आरडीएक्स था

पश्चिम बंगाल के दत्तपुकुर में एक विस्फोट में सात लोगों की मौत के एक दिन बाद, भाजपा ने इस घटना की जांच राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) से कराने की मांग करते हुए तर्क दिया है कि यह एक शक्तिशाली आरडीएक्स था जो घटनास्थल पर विस्फोट हुआ था। पश्चिम बंगाल के एलओपी और भाजपा नेता सुवेंदु अधिकारी ने सोमवार को कहा कि उन्होंने कोलकाता उच्च न्यायालय में एक जनहित याचिका भी दायर की है, और कहा कि इसे कल (मंगलवार, 29 अगस्त) सूचीबद्ध किया जा सकता है। उन्होंने साफ तौर पर कहा, श्यह आरडीएक्स था और यह एक शक्तिशाली विस्फोट था...मैंने पहले ही कोलकाता उच्च न्यायालय में एक जनहित याचिका दायर की है। मेरी दलील अदालत ने स्वीकार कर ली है और उम्मीद है कि इसे कल सूचीबद्ध किया जाएगा।

## लोक कल्याणकारी योजनाओं के बारे में जानकारी प्राप्त करने का बेहतर माध्यम है चित्र प्रदर्शनी : जिलाधिकारी

दैनिक बुद्ध का सन्देश

बलरामपुर। सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं एवं उपलब्धियां विषयक जिला पंचायत परिसर में तीन दिवसीय चित्र प्रदर्शनी का शुभारंभ जिलाधिकारी श् अरविंद सिंह द्वारा फीता काटकर किया गया। इस दौरान जिलाधिकारी द्वारा चित्र प्रदर्शनी का अवलोकन किया गया। उन्होंने कहा कि चित्र प्रदर्शनी के द्वारा जन कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी एवं सरकार की उपलब्धियां आकर्षक ढंग से प्रस्तुत की गई है। आम जनमानस को सरकार की योजनाओं के बारे में जागरूक किया जाने हेतु चित्र प्रदर्शनी काफी बेहतर माध्यम है।

उन्होंने आम जनमानस से जिला पंचायत परिसर में लगी चित्र प्रदर्शनी में आकर सरकार की योजनाओं एवं उपलब्धियां के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी प्राप्त किए जाने की अपील की। तीन दिवसीय चित्र प्रदर्शनी सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के द्वारा लगाई गई है। चित्र प्रदर्शनी में सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं, ग्लोबल इन्वेस्टर सम्मिट, जी 20 सम्मेलन आदि के विषय आकर्षक ढंग से विस्तार पूर्वक जानकारी प्रदान की जा रही है। इस अवसर पर मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला पंचायत, जिला सूचना अधिकारी व अन्य संबंधित अधिकारी/कर्मचारी गण उपस्थित रहे।

## एंटीकरेप्शन सेल गठित, भ्रष्टाचार संबंधी शिकायतों का हो रहा निस्तारणः सुखवीर सिंह भदौरिया

दैनिक बुद्ध का सन्देश

बस्ती। भ्रष्टाचार संबंधी शिकायतों के निस्तारण के लिए बस्ती पुलिस लाईन में एंटीकरेप्शन सेल गठित किया गया है, जो लगभग पिछले 03 माह से कार्य कर रहा है। उक्त जानकारी मण्डल प्रभारी सुखवीर सिंह भदौरिया ने दी है। उन्होने बताया कि सेल में उनके साथ एक इस्पेक्टर, तीन दीवान तथा सिपाही तैनात है। उन्होने बताया कि बस्ती सेल में 9454402491 तथा लखनऊ में 9454402484 नम्बर पर शिकायत दर्ज करायी जा सकती है। उन्होने बताया कि उनके कार्यालय आकर भी शिकायतकर्ता शिकायत दर्ज करा सकता है। शिकायतकर्ता शिकायत से संबंधित आडियो, वीडियों भी दें सकते है। शिकायत प्राप्त होने पर इसके संबंध में विस्तृत जॉच की जाती है। जॉच में शिकायत सही पाये जाने पर इसें संबंधित जिलाधिकारी के संज्ञान में लाया जाता है। उनके द्वारा छापा डालने के लिए अनुमति दिये जाने पर दो गवाह भी नामित किए जाते है। उन्होने बस्ती, सिद्धार्थनगर एंव संतकबीर नगर जिले के लोगों से अपील किया है कि भ्रष्टाचार संबंधी शिकायत उनके कार्यालय या फोन नम्बर पर दर्ज करा सकते है। श्री भदौरिया ने बताया कि सेल द्वारा अब तक भ्रष्टाचार के तीन मामलों में छापा डालकर अधिकारी–कर्मचारी पकड़े गये है।

## प्रसाशनिक कार्य के लिये भूमि तलाश रहे ग्राम विकास अधिकारी

### गांवों की सरकारी भूमियों पर किसकी है नज़र

दैनिक बुद्ध का सन्देश

शोहरतगढ़,सिद्धार्थनगर। भले ही प्रदेश सरकार के जिम्मेदार अधिकारी सार्वजनिक संपत्तियों यानी ग्राम समाज की भूमियों पर हो रहे अवैध कब्जे को लेकर सजग और सतर्क रहें, किन्तु लाख प्रयास के बाद भी शोहरतगढ़ तहसील क्षेत्र के कुछ ग्राम पंचायत के हालात ऐसे हैं कि वहां प्रशासनिक कार्य हेतु भूमि नहीं मिल रहा है और खुद ग्राम पंचायत सचिव को अधिकारियों से फरियाद करनी पड़ रही है, जबकि नवीन परती और बंजर भूमि के रूप में कई बीघे जमीनें खतौनी दिख रही है। मामला शोहरतगढ़ तहसील क्षेत्र के ग्राम पंचायत बगुलहवा और डोहरिया बुजुर्ग का है। ग्राम विकास अधिकारी लालचन्द चौधरी ने एसडीएम को संबोधित प्रार्थना पत्र में लिखा है कि शासन के निर्देश के क्रम में प्रत्येक ग्राम पंचायत में पंचायत भवन एवं सामुदायिक शौचालय का निर्माण करना अति आवश्यक है, लेकिन सरकारी जमीन न मिलने के कारण मेरे प्रभार के ग्राम पंचायत बगुलहवा में पंचायत भवन एवं सामुदायिक शौचालय का निर्माण व ग्राम पंचायत डोरिया बुजुर्ग में सामुदायिक शौचालय निर्माण कार्य शुरू नहीं हो सका है। उन्होंने यह भी लिखा है कि उक्त 2 ग्राम पंचायत में सरकारी जमीन चिन्हित करने एवं कब्जा दिलाने के लिए हल्का लेखपाल को आदेश देने की .पा करें। जानकारों की माने तो ग्राम पंचायत बगुलहवा में राजस्व ग्राम सार्वजनिक संपत्ति रजिस्टर में खाता संख्या 327 में नवीन परती के रूप में 0.2500 हे० और 328 बंजर के रूप में 0.1170 हे० भूमि दर्ज है। जबकि खलिहान के रूप में 340 पर .4930 हेक्टेयर भूमि अंकित है। तो वही डोहरिया बुजुर्ग खाता संख्या 242 अतिरिक्त भूमि के नाम से 1.2920 हे० और 243 नवीन परती के रूप में 0.5220 हेक्टेयर भूमि अंकित है व 244 बंजर के रूप में 0.2880 दर्ज है। अब सवाल यह है कि प्रश्नगत ग्राम पंचायत की सार्वजनिक भूमियों पर क्या किसी प्रकार का कब्जा है? या जो अभिलेख में भूमि अंकित की गई है उसे पर किसी की नज़र है? यह तो जांच के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा... यदि सरकारी भूमियों पर कब्जा है तो संबंधित लेखपाल की कार्यशैली पर भी सवाल उठाने लाजिम है। उक्त के संदर्भ में उप जिलाधिकारी प्रदीप कुमार यादव ने बताया कि सचिव महोदय का प्रार्थना पत्र मिला है जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

# उफनाई सरयू, सहमे लोग

बरहज। सरयू के उफनाने से तटवर्ती गांवों के लोग सहमे हुए हैं। नदी थाना घाट पर बने मीटर गेज पर खतरे के निशान 66.50 से 1.9 मीटर ऊपर 67.59 मीटर पर बहने लगी है। वहीं परसियां–विशुनपुर देवार के आध ा दर्जन मुहल्लों तक बाढ़ का पानी पहुंच गया है। जिससे लोगों की दुश्वारियां बढ़ गई हैं। पिछले करीब एक पखवारे से नदी के जलस्तर में निरंतर उठा–पटक हो रही है। तीन दिनों से नदी के जलस्तर में लगातार बढ़त दर्ज किया जा रहा है। इस वर्ष नदी दूसरी बार 67.59 मीटर तक पहुंची है। नदी में उमड़ रहे सैलाब से चारों ओर पानी ही पानी हो गया है। सरयू में आए उफान से राप्ती में भी बाढ़ आ गई है। परसियां देवार के भरटोला, चौधरी पुरा, नकिहवां, महो टोला, बिचला टोला, वहीं विशुनपुर देवार के कुछ मोहल्लों तक बाढ़ का पानी पहुंच गया है। जबकि भदिला प्रथम गांव टॉपू बना हुआ है। गांव तक पानी पहुंचने के कारण लोग अपने मवेशियों को ऊंचे स्थान पर ले जा रहे हैं। भदिला प्रथम और परसियां–विशुनपुर देवार गांव के लोगों के आवागमन के लिए प्रशासन की ओर से चार–चार नाव लगाई गई हैं। जो नाकाफी साबित हो रही हैं। भदिला प्रथम के उदयभान, सतीश साहनी, विजय निषाद, अर्जुन निषाद आदि का नदी के उफनाने से आई बाढ़ के कारण मुश्किलें बढ़ गई हैं। लोग किसी तरह घरों में समय व्यतीत कर रहे हैं। लेकिन मवेशियों के लिए मुश्किलें काफी बढ़ गई हैं।

जलस्तर में इस कदर वृद्धि होती रही तो बाढ़ का पानी लोगों के घरों तक पहुंच जाएगा। चारों ओर पानी लगा होने के कारण विषैले जीव–जंतुओं का डर सता रहा है। वहीं बीमार लोगों को इलाज के लिए ले जाने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। फिलहाल नेपाल की ओर से तीन दिनों से तीन लाख क्यूसेक पानी छोड़ा गया है। जिससे नदी के जलस्तर में और भी इजाफा होने की आशंका जताई जा रही है। लोग बाढ़ से होने वाली तबाही को लेकर चिंतित हैं।

## परिषदीय के 1.55 लाख बच्चों को मिला डीबीटी का लाभ, 9880 को इंतजार

देवरिया। जिले के परिषदीय विद्यालयों के 9880 विद्यार्थियों को डीबीटी योजना का लाभ नहीं मिला है। इससे नए सत्र में वह यूनिफार्म, बैग, जूता–मोजा, स्टेशनरी सहित अन्य सामानों से वंचित हैं। इसे लेकर जहां शासन गंभीर है, वहीं कुछ बीईओ का रवैया सुस्त दिख रहा है। जनपद के 2120 परिषदीय स्कूलों में सत्र 2023–24 में 26 अगस्त तक 2.20 लाख विद्यार्थियों का नामांकन हो चुका है। शासन की ओर डीबीटी योजना के तहत इनके अभिभावकों के खाते में प्रति छात्र 1200 रुपये दिए जाने हैं। इससे वह ड्रेस, जूता–मोजा, बैग, स्टेशनरी, स्वेटर खरीदना है। सत्र शुरू होने के बाद 19 जुलाई को पिछले सत्र के नामांकन के आधार पर जनपद के 1,55,522 विद्यार्थियों के अभिभावक के खाते में शासन की ओर से निर्धारित धन भेजा जा चुका है, जबकि 9880 विद्यार्थियों को अभी इसका इंतजार है। शेष 5589 छात्रों के खाते नाट सीडेड यानि इनका खाता आधार से नहीं जुड़ा हैं एवं 4291 के आधार अप्राप्त होने की बात सामने आ रही है। इसे लेकर अभिभावक जहां गंभीर दिख रहे हैं, लेकिन जिम्मेदार नहीं प्रतीत हो रहे हैं। वर्तमान सत्र में 45 हजार से अधिक नामांकन पिछले सत्र के अपेक्षा हो चुका है। ऐसे में शेष छात्रों की संख्या में भी वृद्धि होने से योजना का लाभ पाने वालों के पात्रों की संख्या भी बढ़ रही है। रामगुलाम टोला मोहल्ले के अभिभावक रईस अंसारी ने बताया कि उनके पाल्य को अभी डीबीटी योजना का लाभ नहीं मिला है। प्रधानाध्यापक से पूछने पर बताया जाता है कि दूसरे चरण में उनके खाते में ध ान आएगा।

## रक्षाबंधन को लेकर सजी राखी की दुकानें

दैनिक बुद्ध का सन्देश

उसका,सिद्धार्थनगर। भाई बहन के अमर प्रेम का महापर्व रक्षाबंधन का पर्व मनाने के लिए कस्बा सहित प्रमुख चौराहों पर रंग बिरंगी आधुनिक राखियो की बिक्री के लिए दुकानें सज गई है। रक्षाबंधन पर्व के मशहूर गीत बहना ने भाई की कलाई पे प्यार बांधा है। प्यार के इस धागे से संसार बाधा है। सरीखे गीत बज रहे है। दूसरी तरफ धीरे धीरे मिठाई की दुकानें भी सज रही है। रक्षाबंधन के महापर्व में पूरा बाजार रंग गया है। उसका बाजार मेन मार्केट, तेतरी चौराहा, रेलवे क्रॉसिंग, स्टेशन रोड, पुलिस पिकेट आदि जगहों पर राखी की दुकानें लगी है और लोग खरीद रहे है।

# एसडीएम गोला ने पांच परिषदीय विद्यालयों का किया निरीक्षण

## शैक्षणिक गुणवत्ता व्यवस्थाओं की गई जांच

दैनिक बुद्ध का सन्देश

गोला,गोरखपुर। शासन के निर्देश पर एस डी गोला रोहित कुमार मौर्य ने अपने स्टाफ के साथ गोला तहसील क्षेत्र के पांच परिषदीय विद्यालयों पर सोमवार को पहुच कर शासन द्वारा मांगे गए निम्न बिंदुओं पर विद्यालय में अध्यापकों की उपस्थिति, शैक्षणिक गुणवत्ता अव्यस्थापना सुबिधाये, मध्यान भोजन वितरण, स्कूल ड्रेस आदि का निरीक्षण कर आख्या रिपोर्ट डी एम को प्रेषित किया गया। निरीक्षण के दौरान सर्व प्रथम 8 बजकर 20 मिनट पर एस डी एम गोला प्राथमिक विद्यालय रानीपुर पर दस्तक दिए ।पांच अध्यापक कार्यरत है। लेकिन मौके पर प्रधानाध्यापिका राजेश्वरी देवी, सहायक समीक्षा मिश्रा, और प्रीति मौर्य उपस्थित रही। विद्यालय पर तैनात शिक्षामित्र नीलम मिश्रा व निशा यादव अनुपस्थित मिली। विद्यालयो में कुल बच्चों की पंजी. तसंख्या 71 रहा लेकिन मौके पर 31 बच्चे उपस्थित रहे। बीते 26 अगस्त को मध्यान भोजन में पचास बच्चों द्वारा भोजन किया गया। बच्चों को ड्रेस व पुस्तक मिल चुकी है। ऑपरेशन कायाकल्प द्वारा विद्यालय में कार्य सन्तोषजनक सम्पन्न हुआ है पेयजल व शौचालय की ब्यवस्था भी उपलब्ध रहा। इसी क्रम में साढ़े आठ बजे एस डी एम गोला पूर्व माध्यमिक विद्यालय रानीपुर पर पहुचे। जहाँ अनुचर अमित यादव उपस्थित रहे। विद्यालय के प्रधानध्यापिका रीना स्वरूप

अनुपस्थित मिली। उनके अनुपस्थितहोने से उपस्थिति रजिस्टर व बच्चो का उपस्थिति रजिस्टर दोनों उपलब्ध नही हुआ। कायकल्प अभियान के तहत विद्यालय में कार्य सन्तोष जनक मिला। विद्यालय में कुल 22 बच्चे उपस्थित रहे। वहां से एस डी एम का काफिला ठीक 8 बजकर 35 मिनट पर बगल में स्थित प्राथमिक विद्यालय बर्राह पर पहुचा ।जहाँ विद्यालय में कुल 4 शिक्षक कार्यरत है उपस्थित रजिस्टर के अवलोकन से बच्चों की संख्या कुल 39 का नाम पंजी.त है मौके पर 14 बच्चे उपस्थित मिले। 26 अगस्त को मध्यान भोजन पंजिका में कुल 33 बच्चों द्वारा भोजन किया गया था। चार शिक्षकों में दो शिक्षा मित्र सविता यादव व नीलम त्रिपाठी उपस्थित मिली। प्रधानाध्यापक मनोज कुमार मिश्र अनुपस्थित रहे। सहायक अध्यापक सुनील कुमारको ए आर पी पद पर बांसगांव तहसील में तैनात कर दिया गया है। ड्रेस के लिए कुछ बच्चों के अभिभावक के खाते में धन चला गया गया है कुछ लोग अभी बाकी है बच्चों में पुस्तको का वितरण हो गया है ऑपरेशन कायाकल्प के दौरान विद्यालय में कराए गए कार्य सन्तोषजनक मिले।विद्यालय में पेयजल व शौचालय भी उपलब्ध मिले। वहां से एस डी एम का काफिला कम्पोजिट विद्यालय ककरही पर ठीक 8 बजकर 43 मिनट पर पहुचा ।तीन अध्यापक कार्यरत है जो मौके पर उपस्थित मिले। बच्चों के उपस्थिति रजिस्टर का अवलोकन में कुल संख्या 138 मिला लेकिन 72 बच्चे उपस्थित मिले। बच्चों को ड्रेस व पुस्तक उपलब्ध हो चुका है ।26 अगस्त के मध्यान भोजन पंजिका में कुल 90 बच्चों द्वारा भोजन किया गया था। साफ सफाई ब्यवस्था सन्तोष जनक दिखी। पेय जल व शौचालय की ब्यवस्था उपलब्ध रहा। विद्यालय पर ऑपरेशन कायाकल्प के तहत कोई कार्य नही कराया गया है। वहाँ से एस डी एम गोला का काफिला सीधे प्राथमिक विद्यालय ककरही द्वितीय पर ठीक 8 बजकर 58 मिनट पर पहुचा। विद्यालय पर पांच अध्यापक कार्यरत है ।।मौके पर प्रधानाध्यापिका किरन त्रिपाठी शिक्षा मित्र उषा गुप्ता, चन्द्रप्रभा तिवारी उपस्थित मिली। शिक्षा मित्र विष्णुदत्त मिश्रा अनुपस्थित रहे। सहायक अध्यापक विपिन मिश्रा आकस्मिक अवकाश पर थे। बच्चों के उपस्थिति रजिस्टर का अवलोकन करने पर कुल 72 बच्चों का नाम पंजी.त मिला। जिसमे मात्र 18 बच्चे उपस्थित मिले। बच्चों को पुस्तक उपलब्ध हो गया है ।अभिभावक के खाते में ड्रेस का धन चला गया है। लेकिन कुछ अभिभावक अपने बच्चों का ड्रेस नही लिए है। 26 अगस्त को मध्यान भोजन पंजिका में कुल52 बच्चों द्वारा मध्यान भोजन किया गया है। पेयजल व शौचालय की ब्यवस्था उपलब्ध मिला। प्रधानाध्यापिका किरण त्रिपाठी ने बताया कि ऑपरेशन कायाकल्प के तहत विद्यालय पर कार्य हुआ है। कार्य सन्तोष जनक मिला। एस डी एम गोला रोहित कुमार मौर्य ने अपने स्टेनो अनूप सिंह के साथ पांच विद्यालयो का निरीक्षण जांच रिपोर्टसोमवार को ही जिलाधिकारी गोरखपुर को प्रेषित कर दिया।

## आदर्श लघु माध्यमिक विद्यालय बर्डपुर की छात्राओं ने स्वयं बनाईं मनमोहक राखियां

### विद्यालय में आयोजित हुई राखी बनाने की प्रतियोगिता

दैनिक बुद्ध का सन्देश

बर्डपुर,सिद्धार्थनगर। रक्षाबंधन के पावन पर्व को लेकर आदर्श

लघु माध्यमिक विद्यालय बर्डपुर की छात्राओं ने भैया बहनों के लिए आर्ट एंड क्राट के माध्यम से स्वयं राखी का निर्माण किया । विद्यालय के संचालक नितेश पाण्डेय ने बताया कि विद्यार्थियों में पढ़ाई के साथ–साथ उनमें बौद्धिक एवं रचनात्मक तथा कलात्मक ज्ञान का भी होना आवश्यक है। जिसको लेकर विद्यालय की प्रधानाचार्या राजकुमारी पाण्डेय की पहल पर विद्यालय की छात्राओं ने भैया बहनों के लिए स्वयं ही सुई, धागे, पेपर, मोती , सितारे सहित अन्य वस्तुओं के साथ स्वयं ही राखी तैयार की। छात्राओं ने राखी निर्माण के दौरान मोर पंख, तिरंगा, फूलों की सजावट, छोटे बच्चों के लिए कार्टून आकर के काफी सुंदर राखी बनाकर शिक्षकों तथा बच्चों का मन मोहा। राखी तैयार वाली छात्राओं को विद्यालय की ओर से मंगलवार को पुरस्त भी किया जाएगा।

## चार पहिया वाहनों का कूटरचित दस्तावेज तैयार कर जनता से धोखाधड़ी करने वाले 02 जालसाज गिरफ्तार

### 03 अदद चार पहिया वाहन व 03 अदद मोबाइल फोन बरामद

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोंडा। पुलिस अधीक्षक ने अपराध एवं अपराधियों के खिलाफ चलाये जा रहे अभियान में जालसाज अभियुक्तों के विरूद्ध कड़ी कार्यवाही करने के निर्देश जनपद के समस्त प्रभारी निरीक्षक/थानाध्यक्षो को दिये थे। उक्त निर्देश के अनुक्रम में थाना इटियाथोक व स्वाट की संयुक्त टीम द्वारा चार पहिया वाहनों का कूटरचित दस्तावेज तैयार कर जनता से धोखाधड़ी करने के 02 जालसाज अभियुक्तों–01. अवनीश प्रताप सिंह, 02. नेकराम यादव उर्फ लेखपाल यादव को गिरतार कर उनके कब्जे से 03 अदद चार पहिया वाहन, 03 अदद मोबाइल फोन बरामद किया गया। उक्त अभियुक्तगणों ने प्रार्थीगण ओमप्रकाश तिवारी, जय प्रकाश मिश्रा, राजेश कुमार दुबे से श्रीराम फाइनेंस कम्पनी व महाकाल कम्पनी का रिकवरी एजेण्ट बताकर किरायानामा एग्रीमेंट के तहत 03 अदद चार पहिया वाहन ली थी।

जब प्रार्थीगणों द्वारा उक्त अभियुक्तगणों से किराया मांगा गया तो उन्होने प्रार्थीगणों को फर्जी बेचनामा दिखाकर गाली–गुप्ता देते हुए भगा दिया गया था। जिसके सम्बन्ध में प्रार्थीगणों द्वारा थाना इटियाथोक में अभियोग पंजी.त कराया गया था। जिसमें विवेचना के दौरान आज दिनांक 28.08.2023 को उक्त दोनो अभियुक्तों को गिरतार किया गया। पूछताछ के दौरान अभियुक्तगणों द्वारा बताया गया कि हमलोग भोले भाले लोगों से धोखाधड़ी कर उनकी गाड़ी को किराये पर ज्यादा पैसों का लालच देकर एग्रीमेंट कर उनकी गाड़ी लेकर अपनी गाड़ी बताकर मोटी रकम लेकर फर्जी बेचनामा बनाकर दूसरे लोगो को बेच देते थे तथा गाड़ी का कागजात बाद में देने की बात करते थे तथा फिर अपना नम्बर चेंज कर देते थे यह कार्य हमलोग द्वारा कभी लखनऊ तो कभी बहराइच में रहकर किया जाता था। गिरतार अभियुक्तगणों के विरूद्ध गिरतारी व बरामदगी के आधार पर अभियोग पंजी.त कर विधिक कार्यवाही की गयी।

## जोगिया क्षेत्र के सजनी में शिव मंदिर में हुई प्राण प्रतिष्ठा

दैनिक बुद्ध का सन्देश

जोगिया क्षेत्र के सजनी में सोमवार को विधिवत पूजन अर्चन

के साथ शिवमंदिर में शिव परिवार की स्थापना कर प्राण प्रतिष्ठा किया गया।सजनी में केवल राज यादव के द्वारा घर पर ईश्वर की .पा से शिवनदीर का निर्माण कराया गया जिसमे रविवार को योगमाया से जल भर कर मंदिर मिल कराया गया जिसका सोमवार को विद्वान पंडितो द्वारा विधिवत पूजन कर गणेश,कार्तिकेय,पार्वती और शिव वहां नंदी की मूर्ति रखकर पूजन कर प्राण प्रतिष्ठा किया गया।जिससे क्षेत्र वासियों में काफी में काफी खुशी व्याप्त है।

# महिलाओं हित में चलायी जा रही जन कल्याणकारी योजनाओं की दी गयी जानकारी

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सोनभद्र। जिलाधिकारी चन्द्र विजय सिंह के निर्देशन में विकासखंड रॉबर्ट्सगंज के पुरानाजिम ग्राम के पंचायत भवन में जागरूकता कैंप के माध्यम से शासन स्तर से चलायी जा रही सभी योजनाओं के बारे में सभी विभागो द्वारा जानकारी दी गयी, कार्यक्रम में महिला कल्याण से सम्बंधित योजनाओं, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, कन्या बाल विवाह कों रोकने के संबंध में जानकारी दी गयी, सशक्त महिला की यही पहचान, मुश्किल से न होती परेशान आदि विषयक पर चर्चा की गयी, इस अवसर पर जिला प्रोबेशन अधिकारी सुधांशु शेखर शर्मा ने पुरनाजिम ग्राम पंचायत में आयोजित कैंप में उपस्थित जन मानस को सम्बोधित करते हुए कहा कि केन्द्र एवं प्रदेश सरकार द्वारा महिलाओं के कल्याण हेतु जन कल्याणकारी योजनाएं चलायी जा रही है, उन्होंने कहा कि पति के मृत्यु के उपरान्त निराश्रित महिला को पेंशन की सुविधा उपलब्ध है, जिसके लिए आनलाईन आवेदन करने पर 1 हजार रूपये प्रति माह

पेंशन प्राप्त होती है, आवेदक द्वारा आनलाईन फार्म एकी.त पेंशन पोर्टल पर भरे जाने की व्यवस्था है। उन्होंने बताया कि महिला कल्याण विभाग द्वारा संचालित बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के अंतर्गत योजनाओं की जानकारी हेतु कैंप का आयोजन किया गया है, इस दौरान उन्होंने कहा कि बालिकाओं को आत्मनिर्भर बनाने, बालिकाओं को अपनी सुरक्षा स्वयं करने हेतु सशक्त बनाने के उद्देश्य से महिला कल्याण विभाग द्वारा कई योजनाएं संचालित की जा रही हैं, जिसमें एक ही छत के नीचे कई प्रकार की सुविधाएं प्रदान की जाती है। महिलाओं में पुरुषों से अधिक साहस ,क्षमता व शक्ति होती है, बस महिलाओं को उसे पहचानने की आवश्यकता होती है। इस दौरान संरक्षण अधिकारी रोमी पाठक ने उपस्थित जनमानस को सम्बोधित करते हुए कहा कि मेरी सुरक्षा ,मेरा सम्मान महिलाओं की सुरक्षा एवं सशक्तिकरण के लिए विशिष्ट योजना के रूप में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान के अंतर्गत महिला कल्याण विभाग द्वारा चलाई जा रही मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना के सम्बन्ध में जानकारी देते हुए बताया कि बेटियॉ हैं घर की शान उनकी शिक्षा और स्वास्थ्य का रखें पूरा ध्यान को .ष्टिगत रखते हुए मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना प्रदेश सरकार द्वारा संचालित की गयी है। इस योजना की पात्रता व्यक्ति उत्तर प्रदेश का स्थायी निवासी हो, परिवार का वार्षिक आय 3 लाख से अधिक न हो और दो बच्चियों के होने पर ही इस योजना का लाभ मिलता है, इस योजना के सम्बन्ध जिला समन्वयक साधना मिश्रा द्वारा विशेष जानकारी दी गई कन्या सुमंगला का ज्यादा से ज्यादा फार्म भरवाए जिन लाभार्थी का खाते में पैसा नही जा रहा है उनका बैंक पासबुक की छायाप्रति जिला प्रोबेशन कार्यालय में कार्य दिवस में जाकर या मो0 नं0–9305036929 पर सम्पर्क कर सकते हैं। इस दौरान मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना सामान्य, मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना कोविड–19, प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना, प्रधानमंत्री उज्जवला योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना, आदि समस्त योजनाओं के विषय में जानकारी दी गई।

महिलाओं की समस्याओं के विषय में चर्चा बेटा बेटी के भेदभाव को लेकर व महिलाओं को निराश्रित व गरीब परिवारों को योजनाओं से जोड़ने के लिए जागरूक किया उक्त कैंप में संरक्षण अधिकारी रोमी पाठक जिला समन्वयक साधना मिश्रा, शेषमणी दूबे आदि सम्मानित महिलाएं उपस्थित रही। इस अवसर पर ग्राम विकास अधिकारी, ग्राम प्रधान, आशा, आगनबाड़ी, कोटेदार तथा अन्य विभागीय कर्मचारी तथा जन समुदाय उपस्थित रहे।

## आम जन की समस्याओं के निजात के लिए तत्पर रहे कर्मचारी:ईओ

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सोनभद्र। उवप्रव शासन के निर्देशानुसार प्रत्येक सोमवार को

निकायों में जनसुनवाई (सम्भव ) दिवस समय प्रातः 10.00 बजे से 2.00 बजे तक का आयोजन के क्रम में जनपद के सभी निकायों में इसका आयोजन किया गया। तत्क्रम में – 28 अगस्त 2023 को जनसुनवाई (सम्भव ) दिवस में प्राप्त शिकायतें क्रमशः नगर पालिका परिषद सोनभद्र में 3 नगर पंचायत घोरावल में 1 नगर पंचायत चुर्क घुर्मा में 1, नगर पंचायत चोपन में 5 नगर पंचायत ओबरा में 1, नगर पंचायत रेनुकूट में 0 नगर पंचायत पिपरी में 0 नगर पंचायत दुद्धी में 1 नगर पंचायत डाला बाजार में 1 नगर पंचायत अनपरा में 1 समस्त निकायों को मिलाकर कुल 14 शिकायतें प्राप्त हुई जिनमें मुख्य रूप से साफ–सफाई पेयजल व मार्ग प्रकाश से सम्बन्धित सभी शिकायतों का तत्काल निस्तारण कराया गया। अध्यक्ष रूबी प्रसाद व विजय कुमार यादव, अधिशासी अधिकारी / नोडल अधिकारी, नगर पालिका परिषद सोनभद्र द्वारा बताया गया कि जनता की समस्याओं से रूबरू होने व उसका समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण निस्तारण शासन की शीर्ष प्राथमिकता पर है इस पर तत्परतापूर्वक कार्यवाही की जा रही है। उक्त अवसर पर मनीष कुमार, अवर अभियन्ता / प्रभारी अधिशासी अधिकारी, विमलेश लाल, जलकल पर्यवेक्षक, रामबिलास गुप्ता, प्रकाश प्रभारी, सुजीत कुमार, सफाई नायक, व अन्य सम्बन्धित कर्मचारीगण तथा नागरिक गण उपस्थित रहे।

## नए थीम पर 81 ग्राम पंचायतों में हुआ ग्राम समाधान दिवस

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सोनभद्र। जनपद सोनभद्र में ग्राम पंचायत स्तर पर शिकायतों के निस्तारण के लिए चलाया जा रहे ग्राम समाधान दिवस में शिकायतों का निस्तारण में बेहतर परिणाम आने पर जनपद लगातार प्रदेश में अच्छे रैंक में बना हुआ है। इस

सफलता को देखते हुए जिलाधिकारी सोनभद्र चंद्र विजय सिंह के निर्देश पर आज 81 ग्राम पंचायतों में ग्राम समाधान का आयोजन किया गया। जिला पंचायत राज अधिकारी विशाल सिंह ने बताया कि सिकायतो के निस्तारण के साथ इस सप्ताह के थीम अबकी बरसात शौचालय के साथ आयोजित ग्राम समाधान दिवस में कुल 159 शिकायत प्राप्त हुई मौके पर 127 शिकायतों का निस्तारण किया गया। ग्राम समाधान दिवस में शौचालय के लाभार्थियों से बात कर शौचालय का कार्य शुरू कराए जाने और जिसका शौचालय छत स्तर और हमला लग गया है उसका द्वितीय किस्त की धनराशि जारी किए जाने की बात हुई। कुल शौचालय के सापेक्ष 2953 शौचालय के सापेक्ष 773 शौचालय पर आज कार्य प्रारंभ हो गया है और 496 लाभार्थी का द्वितीय किस्त की डिमांड भेजने के लिए निर्देशित किया गया। ग्राम समाधान दिवस का आयोजन शिकायत निस्तारण के साथ सभी विभागों की जिन योजनाएं पर कार्य हो रहा है उनकी ग्राम पंचायत स्तर पर लाभार्थियों से बात कर कार्य की गति को और बढ़ाया जाना है। इस सोमवार अबकी बरसात शौचालय के साथ अभियान में यह प्रयास किया जा रहा है की इस बरसात जिनके पास शौचालय की सुविधा नही है उपलब्ध हो जाए और शौचालय निर्मित करा कर लोग इसका प्रयोग करने लगे। जिलाधिकारी महोदय के निर्देश के तहत अगले शुक्रवार को किसी अन्य विभाग के अन्य योजनाओं के साथ ग्राम समाधान दिवस का आयोजन किया जाएगा।

## वरिष्ठ पत्रकार मिथिलेश प्रसाद द्विवेदी ग्रामवासी सम्मान से किए गए सम्मानित

### सोनांचल के कलमकारों ने हर्ष ब्यक्त कर दी बधाई

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सोनभद्र। महान स्वत्रंता संग्राम सेनानी, देश भक्त महात्मा गांधी के परम अनुयायी, निर्भीक एवं सशक्त पत्रकार और 1952 से 1957 तक अविभाजित जनपद मिर्जापुर के दुद्धी विधानसभा के प्रथम विधायक रहे पंडित ब्रजभूषण मिश्र ग्रामवासी जी की 124 वीं जयंती के अवसर पर पत्रकारिता के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने के लिए सोनांचल के वरिष्ठ पत्रकार पंडित मिथिलेश प्रसाद द्विवेदी एवं भदोही के .ष्णावतार त्रिपाठी राहीष्को ग्रामवासी सेवा आश्रम ट्रस्ट द्वारा ग्रामवासी सम्मान से सम्मानित किया गया। बताते चलें कि यह सम्मान ग्रामवासी जी द्वारा 1923 में ग्रामवासी समाचार पत्र के प्रकाशन से 2023 में 100 साल पूरे होने पर अपनी लेखनी से पत्रकारिता के क्षेत्र में ईमानदारी व निष्ठा और निष्पक्षता के साथ देश, काल और समाज हित में पत्रकारिता धर्म का

निर्वहन करने के लिए ग्रामवासी सेवा आश्रम ट्रस्ट की मुख्य ट्रस्टी ग्रामवासी जी की पुत्री शुभाशा मिश्रा द्वारा प्रदान किया गया। उक्त सम्मान में मिथिलेश प्रसाद द्विवेदी व .ष्णावतार त्रिपाठी राही जी को माल्यार्पण कर मुझे उन्हें श्रीफल, सम्मान पत्र, अंग वस्त्रम, एक सूटकेस, एवं ग्रामवासी जी के जीवन चरित्र से सम्बंधित पुस्तकें भेंट की गई। इस अवसर पर मंचासीन वरिष्ठ पत्रकार राहुल श्रीवास्तव, नरेन्द्र नीरव, राजीव कुमार ओझा, किशोर न्याय बोर्ड सोनभद्र के सदस्य ओम प्रकाश त्रिपाठी, नगर पंचायत चोपन के अध्यक्ष उस्मान अली ने सम्मानित होने वाले द्वय पत्रकारों को अपनी शुभकामनाएं दी। इसके अलावा द्विवेदी को सम्मानित किए जाने से हर्षित साहित्यिक संस्था गीत कस्तूरी की संस्थापक गीतकार डा रचना तिवारी एवं सोन साहित्य संगम के संयोजक व सँयुक्त अधिक्ता महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष राकेश शरण मिश्र, विन्ध संस्:ति शोध समिति ट्रस्ट के निदेशक दीपक कुमार केशरवानी सहित मीडिया फोरम ऑफ इंडिया (न्यास) के जिलाध्यक्ष सर्वेश श्रीवास्तव, आइडियल जर्नलिस्ट एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष संतोष कुमार नागर, ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन के प्रदेश कार्य समिति सदस्य अजय भाटिया, डीडी न्यूज़ के सुनील तिवारी, श्याम सुंदर पांडेय, विनय कुमार पांडेय, रामानुज धर द्विवेदी, रामजी दुबे, संतोष मिश्रा, संजय श्रीवास्तव, मनोज तिवारी, मनोज चौबे, गुड्डू मिश्रा, राजेश गोस्वामी, रिजवान, सद्दाम कुरेशी, विनीत शर्मा, आदि कलमकारों समेत व्यास मुनि पांडेय, अखिलेश कुमार पांडेय आदि गणमान्यों ने अपनी बधाई दी। वहीं पत्रकारिता के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए ग्रामवासी सम्मान से सम्मानित किए जाने से हर्षित द्विवेदी ने कहा कि आज ग्रामवासी साप्ताहिक समाचार पत्र के 100 वर्ष पूर्ण होने पर आश्रम की मुख्य ट्रस्टी शुभाशा मिश्रा के कर कमलों द्वारा प्राप्त सम्मान से अत्यंत अभिभूत हूँऔर यह ग्रामवासी सम्मानश जनपद के पत्रकारों को समर्पित करते हुए यह अपेक्षा करता हूंपत्रकार साथी ग्रामवासी जी के .तित्व व्यक्तित्व को आत्मसात करते हुए अपनी कलम की रतार निर्भीक और निष्पक्ष तरीके से देश काल और समाज हित में चलाते रहेंगे। उन्होंने सोनांचल के कलमकारों की तरफ से ग्रामवासी सेवा आश्रम ट्रस्ट के प्रति आभार ब्यक्त किया है।

## दुग्धेश्वर धाम में हुआ रुद्राभिषेक का आयोजन

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सोनभद्र। श्रावण मास के आखिरी सोमवार के अवसर पर

जिला मुख्यालय रॉबर्ट्सगंज के उत्तर मोहाल स्थित दुग्धेश्वर धाम में रुद्राभिषेक का आयोजन किया गया। जिसमें मंदिर समिति के सचिव व यजमान गोविंद केसरी ने धर्मपत्नी संग रुद्राभिषेक किया। साथ ही मंदिर परिसर में भारी संख्या में उपस्थित भक्तों ने भी रुद्राभिषेक किया। रुद्राभिषेक के पश्चात सत्यनारायण भगवान की कथा का आयोजन हुआ और फिर विशाल भंडारे का आयोजन किया गया जिसमें सैकड़ो भक्तों ने भंडारे का प्रसाद ग्रहण किया। बतादें कि मंदिर पर भगवान भोलेनाथ के जलाभिषेक के लिए 4रू00 बजे भोर से ही भक्तों का ताता लगा हुआ था। इस अवसर पर उमा केसरी, प्रतिभा देवी, सपना, किरण देवी, सीमा, बिना केसरी, श्वेता, पूजा, सरिता, रीता, बबीता, निशु, सीमा, राजेश केसरी, प्रकाश, गोपाल, मंगल, मनजोक केजरीवाल, राजेश, संगम, हरिहर विशाल, रामजी मोदनवाल, सोना, मुनमुन, कोमल, गुनगुन, जूही, निधि, आशु, गोलू, अनु, प्रियांशु, नीरज, मिट्ठू, विष्णु, ओम, उज्जवल, अंजलि, ग्रंथ सहित अन्य लोगों उपस्थित रहे।

## जनपद सिद्धार्थनगर के महत्वपूर्ण नम्बर

| | |
|---|---|
| जिलाधिकारी | मो0:– 9454417530 |
| मुख्य विकास अधिकारी | मो0:– 9454464749 |
| एस डीएम नौगढ़ | मो0:– 9454415936 |
| एस डीएम बांसी | मो0:– 9454415937 |
| एस डीएम डुमरियागंज | मो0:– 9454415939 |
| एस डीएम इटवा | मो0:– 9454415939 |
| एस डीएम शोहरतगढ़ | मो0:– 9454415940 |
| पुलिस अधीक्षक | मो0:– 9454400305 |
| थाना मोहाना | मो0:– 9454404239 |
| थाना जोगिया उदयपुर | मो0:– 9454404235 |
| थाना गोलौरा | मो0:– 9454404233 |
| थाना पथरा बाजार | मो0:– 9454404240 |
| थाना त्रिलोकपुर | मो0:– 9454404243 |
| थाना उसका बाजार | मो0:– 9454404244 |
| थाना शोहरतगढ़ | मो0:– 9454404241 |
| थाना खेसरहा | मो0:– 9454404236 |
| थाना इटवा | मो0:– 9454404234 |
| थाना चिल्हिया | मो0:– 9454404229 |
| थाना ढेबरुआ | मो0:– 9454404230 |
| थाना भवानीगंज | मो0:– 9454404228 |
| थाना मिश्रौलिया | मो0:– 9454404238 |
| थाना सि0नगर | मो0:– 9454404242 |
| थाना डुमरियागंज | मो0:– 9454404232 |
| थाना लोटन | मो0:– 9454404237 |
| महिला थाना | मो0:– 9454404891 |

राष्ट्रीय दैनिक
बुद्ध का संदेश

## नगर पंचायत अध्यक्ष धीरसेन निषाद के ऊपर हुआ दुष्कर्म का मुकदमा दर्ज

दैनिक बुद्ध का सन्देश

रुधौली,बस्ती। नगर पंचायत अध्यक्ष धीरसेन निषाद के ऊपर हुआ मुकदमा दर्ज बस्ती रुधौली के नगर पंचायत अध्यक्ष एवं सपा नेता धीरसेन निषाद तथा उनके एक सहयोगी माया पाठक के खिलाफ दुष्कर्म आपराधिक साजिश तथा एससी एसटी के तहत मुकदमा दर्ज किया गया थाना क्षेत्र की एक महिला के तहरीर पर रुधौली पुलिस ने 27 अगस्त को देर रात मुकदमा पंजी.त किया महिला एक सफाई कर्मी है जिसका आरोप है कि रुधौली अध्यक्ष धीरसेन निषाद नौकरी देने के बहाने उसके साथ यौन शोषण किया और नौकरी भी नहीं दी कहानी की शुरुआत कोरोना कल से हुई गरीबी से परेशान महिला चेयरमैन के सहयोगी माया पाठक के कहने पर नौकरी मंगनी धीरसेन निषाद के पास पहुंच गए धीरसेन ने अपनी पद प्रतिष्ठा की परवाह किए बगैर नौकरी दिलाने के नाम पर उसके साथ यौन शोषण शुरू कर दिया इसी दौरान धीरसेन निषाद ने कई बार गर्भपात भी करवाया नौकरी भी नहीं दी परेशान महिला ने धीरसेन से कुछ प्राइवेट बात का ऑडियो वायरल करने की बात कही उसकी बात को सुनकर धीरसेन सकते में आ गए उसे फिलहाल सफाई कर्मी की नौकरी दे दी उसके बाद महिला का आरोप है कि नौकरी देने के उपरांत वह अपनी इच्छा के अनुकूल जबरन उसे महिला के साथ शारीरिक संबंध मनाते रहे आखिरकार महिला धीरसेन निषाद के शोषण से काफी परेशान होने के बाद पुलिस में शिकायत करनी पड़ी आपको बता दे कि इससे पहले भी रुधौली के चेयरमैन धीरसेन निषाद पर कई गंभीर मामले दर्ज हैं पुलिस ने निष्पक्षता से कार्य किया तो उसकी मुसीबतें बढ़नी तय है फिलहाल मामलों के लेकर धीरसेन निषाद निषाद की बड़ी किरकिरी हो रही है क्योंकि वह समाजवादी पार्टी में है इसलिए पार्टी की भी छवि खराब हो रही है।

## आयुष्मान गोल्डेन कार्ड पाकर कन्हैयालाल के चेहरे पर आयी खुशहाली

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सोनभद्र। राज्य सभा सांसद राम सकल व जिलाधिकारी चन्द्र

विजय सिंह द्वारा कलेक्ट्रेट परिसर में नागनार हरैया निवासी दोनों पैर से दिव्यांग कन्हैयालाल पुत्र स्वर्गीय श्याम लाल यादव को गोल्डन आयुष्मान कार्ड प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। बताया गया की दिव्यांग कन्हैयालाल का आयुष्मान कार्ड सूची में नाम नहीं था, जिससे उनको स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ लेने में काफी दिक्कत का सामना करना पड़ रहा था, प्रार्थी द्वारा जिलाधिकारी को कुछ दिन पहले एक प्रार्थना पत्र देकर अवगत कराया गया था की मेरा वीपीएल सूची में नाम न होने के करण अभी तक आयुष्मान कार्ड नहीं बना है और ना ही मेरे पास राशन कार्ड बना है, जिस पर जिलाधिकारी ने उसके समस्या को ध्यान में रखते हुए आयुष्मान योजना से वंचित लाभार्थी कन्हैया लाल को लाल राशन (अंत्योदय राशन) कार्ड बनाने के निर्देश जिला पूर्ति अधिकारी को दिया गया, तो अंत्योदय राशन कार्ड बन गया, इसके बाद समन्धित को आयुष्मान कार्ड बनाने के निर्देश दिए गये, जिस पर आयुष्मान भारत की डी0आई0यू0 टीम सोनभद्र को कार्ड बन जाने के बाद उसकी केवाईसी कर आयुष्मान कार्ड बनवाया गया, जिसको आज 28 अगस्त 2023 को राज्यसभा सांसद श्री राम सकल जी व जिलाधिकारी द्वारा आयुष्मान कार्ड का प्रमाण पत्र दिया गया। बताया गया की कन्हैयालाल सड़क पार करने के दौरान ट्रक से धक्का लग गया और दोनों पैर बुरी तरह से टूट गया था, जिस वजह से इनको अपना जीविकोपार्जन में काफी दिक्कत का सामना करना पड़ रहा था।

बुद्ध का संदेश
(हिन्दी दैनिक समाचार पत्र)
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स , ज्योति नगर मधुकरपुर, निकट–हीरो होण्डा एजेन्सी, जनपद–सिद्धार्थनगर (उ0प्र0) 272207 से मुद्रित एवं प्रकाशित।
आर.एन.आई. नं.–UPHIN/2012/49458
संस्थापक
स्व. के.सी. शर्मा
सम्पादक
राजेश कुमार शर्मा
9415163471, 9453824459
दैनिक बुद्ध का संदेश
9795951917,9415163471
@budhakasandesh
budhakasandeshnews@gmail.com
www.budhakasandesh.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी.एक्ट. के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन समस्त विवाद जनपद–सिद्धार्थनगर न्यायालय के अधीन ही मान्य होगा।

# महिलाओं में क्यों ज्यादा होती है नींद ना आने की समस्या, जानें कारण, कहीं ये स्लीप डिसऑर्डर तो नहीं

अच्छी नींद का मेंटल और फिजिकल हेल्थ से गहरा कनेक्शन होता है. अगर आप की नींद पूरी होती है तो आपका दिमाग तेज चलता है और सेहत से जुड़ी कई समस्याएं शरीर से दूर रहती हैं. कई रिसर्च में पाया गया है कि नींद से जुड़ी समस्याएं पुरुषों की तुलना में महिलाओं को ज्यादा परेशान करती है. इसका सबसे बड़ा कारण हार्मोनल बदलाव हो सकता है. इसलिए अगर आप भी नींद की समस्या से जूझ रही हैं तो इन बातों को जान लेना चाहिए...

महिलाओं को कितनी नींद लेनी चाहिए

वुमन्स हेल्थ के अनुसार, अच्छी नींद लेकर आप माइंड और बॉडी को हेल्दी बना सकती हैं. जब आप सोती हैं तो आपकी बॉडी खुद को ऑटोहील करता है. लेकिन अगर रेस्टलेस लेग सिंड्रॉम से जूझ रही हैं तो नींद ले पाना कठिन हो जाता है. ऐसे में नींद न पूरी होने से मेंटल हेल्थ बुरी तरह प्रभावित हो सकता है. इसलिए दिनभर खुद को फ्रेश रखने के लिए महिलाओं को कम से कम 7 से 9 घंटे तक सोना चाहिए. प्रेग्नेंसी में रेस्ट लेना और भी ज्यादा जरूरी हो जाता है. न्यू मॉम को भी अच्छी नींद की दरकार होती है.

महिलाओं में नींद की समस्या ज्यादा होने के 3 कारण

1. प्रीमेस्ट्रम सिंड्रोम और प्रीमेंस्ट्रुअल डिस्फोरिक डिसऑर्डर है. इस समस्या में पीरियड की वजह से रातभर नींद नहीं आती है, जो महिलाओं में डिप्रेशन की वजह बन सकती है.

2. प्रेगनेंसी की वजह से नीदं की समस्या हो सकती है. दरअसल, थर्ड ट्राइमस्टर में महिलाएं पैर में होने वाले क्रैंप, सोने में दिक्कत और बार–बार बाथरूम जाने की वजह से ठीक तरह से सो नहीं पाती हैं.

3. पेरीमेनोपॉज की वजह से महिलाओं में अनिद्रा की शिकायत हो सकती है. इसमें हॉट फ्लश और रात के वक्त ज्यादा पसीना आने के कारण नींद पूरी नहीं होती है.

स्लीप डिसऑर्डर की पहचान कैसे करें: अगर नींद न आने से परेशान हैं और आपको लगता है कि आप स्लीप डिसऑर्डर की शिकार हो गई हैं तो कुछ लक्षणों से इसका पता लगा सकती हैं. बहुत कोशिश करने के बावजूद भी नींद न आना, सोते समय सांस लेने में अचानक से परेशानी आना, सोते वक्त कई बार सांस न लो, पैरों का ज्यादा हिलना, खर्राटे की समस्या, रात में बार–बार टॉयलेट जाना, सुबह उठने पर फ्रेश न फील करना और दिनभर नींद आना स्लीप डिसऑर्डर के लक्षण हो सकते हैं. ऐसे में तुरंत डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए.

## मालदीव पहुंचते ही मौनी रॉय के सिर चढ़ा बोल्डनेस का खुमार, खिंचवा डाली ऐसी फोटोज

टीवी की नागिन बनकर मौनी रॉय ने खूब पॉपुलैरिटी बटोरी. एक्ट्रेस की अदाएं और लुक्स की भी खूब चर्चा हुईं. लेकिन इस सीरियल के बाद मौनी रॉय दिन पर दिन इतनी ज्यादा बोल्ड होती

जा रही हैं कि उनके लुक के चर्चे हर तरफ हो रहे हैं. हाल ही में मौनी ने मालदीव से कई फोटोज शेयर की. इन तस्वीरों में मौनी कैमरे के सामने बिकिनी पहनकर लेटकर ऐसे–ऐसे पोज दे रही हैं कि फैंस उनके लुक को देखकर अपने दिलों पर काबू नहीं कर पा रहे हैं. मौनी रॉय की ये तस्वीरें मालदीव की हैं. जहां पर एक्ट्रेस कैमरे के सामने अपने हुस्न को फ्लॉन्ट करते हुए नजर आ रही हैं. इन तस्वीरों में मौनी ने टू पीस पहनकर ऐसा कहर बरपाया है कि फैंस उनकी फोटोज से नजरें नहीं हट पा रहे हैं. मौनी रॉय इन तस्वीरों में कभी कैमरे के सामने लेटकर पोज देती नजर आईं तो कभी कैमरे के सामने बैठकर ऐसे पोज दिए, कि लोगों के दिलों से खेल गईं. मौनी रॉय की ये कातिलाना लुक की फोटोज सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं. इन तस्वीरों में मौनी राय ने अपने लुक को पूरा करने के लिए कैमरे के सामने लाइट मेकअप और दो चोटी में नजर आईं. मौनी ने इस तस्वीरों को अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम पर शेयर किया है. कैप्शन में लिखा– फिलहाल सपने देख रही हूं. इससे पहले मौनी रॉय ने कैमरे के सामने ब्लैक कलर की साड़ी पहनकर हुस्न की ऐसी बिजलियां गिराई थीं कि उनकी खूबसूरती लोगों की रातों की नीदें उड़ा ले गई. फोटोज में एक्ट्रेस ब्लैक प्लेन साड़ी के साथ गोल्डन कलर का चोकर हार और कानों में बड़े बड़े झुमके पहनकर अपने लुक को पूरा किया.

## ड्रीम गर्ल 2 ने की बंपर कमाई, हो सकती है इस वर्ष की एक और सौ करोड़ी फिल्म

आयुष्मानखुराना स्टारर मूवी ड्रीमगर्ल 2 रिलीज होते ही बॉक्स ऑफिस पर छा गई है। गदर 2 और ओएमजी 2 की आंधी में भी ड्रीम गर्ल 2 जमकर कमाई कर रही है। शानदार ओपनिंग के बाद फिल्म ने दूसरे दिन भी बंपर कलेक्शन किया है।

25 अगस्त को रिलीज हुई ड्रीम गर्ल की सीक्वल ड्रीम गर्ल 2 आयुष्मान खुराना के करियर की सबसे बड़ी ओपनिंग रही है। अनेक, एन एक्शन हीरो और डॉक्टर जी जैसी फ्लॉप फिल्मों के बाद ड्रीम गर्ल 2 आयुष्मान के लिए लकी साबित हो रही है। पहले दिन अच्छी कमाई करने के बाद फिल्म ने दूसरे दिन भी अच्छा कलेक्शन किया है।

ड्रीम गर्ल 2 की कमाई में दूसरे दिन यानी शनिवार को उछाल आई। निर्माताओं की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक, आयुष्मान और अनन्या पांडे स्टारर फिल्म ने शनिवार को 14.2 करोड़ रुपये का कारोबार किया है। राज शांडिल्य द्वारा निर्देशित फिल्म ड्रीम गर्ल 2 ने पहले दिन अच्छा बिजनेस किया था। मूवी ने शुक्रवार को 10.69 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया था। अब तक मूवी ने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर टोटल 24.69 करोड़ का कारोबार कर लिया है। गदर 2 और ओएमजी 2 की वजह से ड्रीम गर्ल 2 की कमाई पर कोई असर नहीं पड़ा। वहीं, सेम डे रिलीज हुई नुसरत भरुचा की अकेली रिलीज होते ही बॉक्स ऑफिस पर दम तोड़ती नजर आई। चार साल पहले रिलीज हुई आयुष्मान खुराना की फिल्म ड्रीम गर्ल हिट साबित हुई थी। मूवी में आयुष्मान के साथ लीड रोल में नुसरत भरुचा थीं। हालांकि, सीक्वल में नुसरत को अनन्या पांडे ने रिप्लेस कर दिया है। आयुष्मान और अनन्या के अलावा ड्रीम गर्ल 2 परेश रावल, विजय राज, राजपाल यादव जैसे मंझे हुए कलाकारों से सजी है। फिल्म में आयुष्मान ने पूजा और करम का किरदार निभाया है। मथुरा का रहने वाला करम जिसे अपने पिता का कर्ज चुकाने के चलते पूजा बनना पड़ता है और फिर यहां से सारा ड्रामा शुरू होता है। फिल्म कॉमेडी और रोमांस का फुल पैकेज है।

## मिस शेट्टी मिस्टर पॉलीशेट्टी का ट्रेलर अब आ गया है!

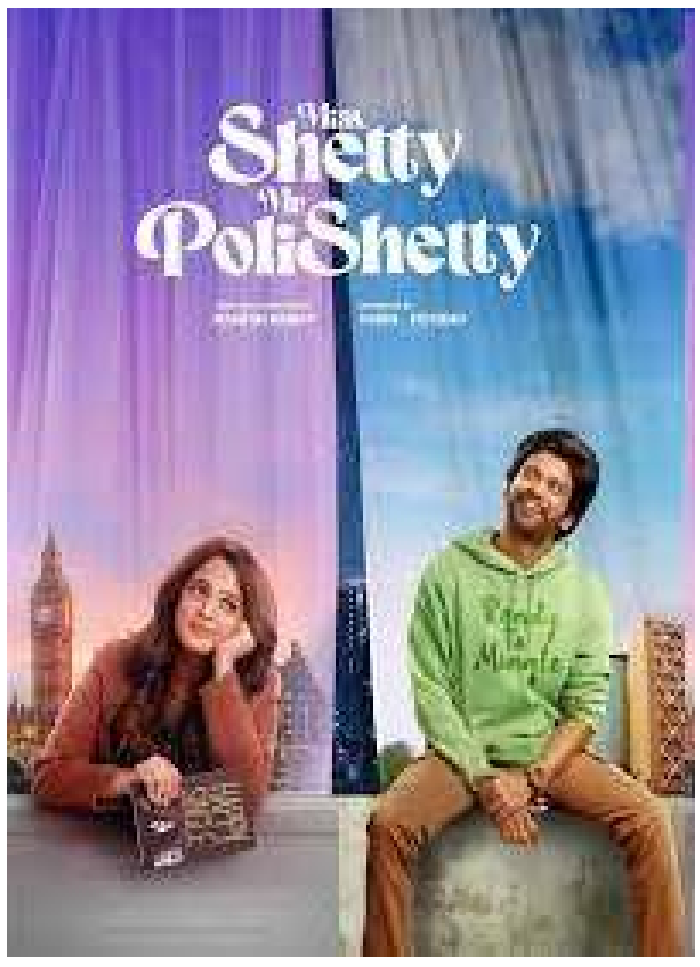


मिस शेट्टी मिस्टर पॉलीशेट्टी का बहुप्रतीक्षित नाटकीय ट्रेलर आखिरकार ऑनलाइन मंच पर पहुंच गया है, जिसमें कुशल अभिनेत्री अनुष्का शेट्टी और होनहार प्रतिभा नवीन पॉलीशेट्टी की आकर्षक जोड़ी को पेश किया गया है। महेश बाबू पी द्वारा निर्देशित, यह रोमांटिक कॉमेडी–ड्रामा अपार संभावनाएं रखता है।

ट्रेलर में, नवीन पॉलीशेट्टी एक स्टैंड–अप कॉमेडियन सिद्धू की भूमिका निभाते हैं, जबकि अनुष्का शेट्टी एक कुशल मास्टर शेफ अन्विता के रूप में चमकती हैं। अन्विता का सिद्धू को अपरंपरागत प्रस्ताव, जिसमें बिना शादी के माता–पिता बनने का सुझाव दिया गया है, उसे परेशान कर देता है। जैसे–जैसे कहानी अपने दिलचस्प आधार के साथ सामने आती है, यह बड़े पर्दे पर दर्शकों को मंत्रमुग्ध करने का वादा करती है। एक महत्वपूर्ण अंतराल के बाद अनुष्का शेट्टी की वापसी नया उत्साह लाती है, और नवीन पॉलीशेट्टी की हास्य शैली चमकती है। अनुष्का की सदाबहार सुंदरता और निडर आचरण, एक आकर्षक संगीतमय स्कोर के साथ, ट्रेलर के आकर्षण को बढ़ाता है।

फिल्म में प्रभावशाली सहायक कलाकार हैं, जिनमें मुरली शर्मा, तुलसी, जयसुधा, भद्रम, नासर, अभिनव गोमतम और अन्य शामिल हैं, जो इस यूवी प्रोडक्शंस उद्यम में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। राधन की मधुर धुनों के साथ, मिस शेट्टी मिस्टर पॉलीशेट्टी 7 सितंबर, 2023 को तेलुगु, तमिल, कन्नड़ और मलयालम भाषाओं के दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर देने के लिए तैयार है।

# सावधान ! इन बीमारियों की वजह से दिख सकता है धुंधला, समय रहते संभल जाएं

आजकल लाइफस्टाइल इतनी खराब होती जा रही है कि आंख से जुड़ी समस्याएं बढ़ती जा रही हैं. कम उम्र में ही लोगों को धुंधला दिखाई देने लगा है. हेल्थ एक्सपर्ट के मुताबिक, आंखों की कई बीमारियों की वजह से साफ न देख पाने की समस्या हो सकती है. हालांकि, कई बार दूसरी गंभीर बीमारियों की वजह से भी धुंधला दिखाई दे सकता है. युवाओं में स्मार्टफोन विजन सिंड्रोम की वजह से आंखों में धुंधलापन की समस्या आ रही है. अगर इलाज के बाद भी समस्या दूर नहीं हो रही है तो डॉक्टर से मिलकर स्वास्थ्य चेकअप करवाना चाहिए. आइए जानते हैं आंखों में धुंधला दिखने का कारण...

स्क्रीन पर ज्यादा समय बिताना: लंबे समय तक स्क्रीन पर समय बिताने से आंखों से धुंधला नजर आने लगता है. स्क्रीन पर देखते समय कई बार पलकें कम झपकाते हैं, इसकी वजह से आंखों की सतर को चिकनाहट और तरोताजा रखने के लिए आंसू कम होने लगते हैं. इस वजह से धुंधला नजर आने लगता है.

शुगर लेवल: शुगर लेवल कंट्रोल में न रहने की वजह से भी आंखों की समस्याएं खासकर धुंधला दिखना शुरू हो सकता है. ज्यादातर मामलों में ग्लूकोज लेवल सामान्य होने के साथ ये समस्या भी कम होने लगती है. डायबिटीज मरीजों को रेटिनोपैथी, आंख के पिछले हिस्से में रक्तस्राव और आंखों से जुड़ी समस्याओं का खतरा ज्यादा रहता है. इसलिए डायबिटीज को कंट्रोल रखने की कोशिश करनी चाहिए.

ब्लड प्रेशर: ब्लड प्रेशर कम या ज्यादा होना दोनों खतरनाक होता है. इसकी वजह से कमजोरी और चक्कर आने जैसी समस्याएं हो सकती हैं. यह आंखों को प्रभावित करने वाला भी हो सकता है. अगर ब्लड प्रेशर बहुत कम या ज्यादा है और दवाईयां खा रहे हैं तो धुंधला दिखने की समस्या हो सकती है.

माइग्रेन: माइग्रेन की समस्या से परेशान एक चौथाई लोगों में धुंधला दिखाई देने की समस्या हो सकती है. कई बार सिरदर्द के बिना या बाद में भी आंखों से जुड़ी समस्या हो सकती है. सीवियर माइग्रेन की समस्या में ये परेशानियां हो सकती हैं.

# खतरे के निशान से एक मीटर ऊपर बह रही सरयू

देवरिया। नेपाल से छोड़ा गया तीन लाख क्यूसेक पानी नदियों के तटवर्ती गांव के लोगों की चिंता बढ़ा रहा है। सरयू नदी एक बार फिर खतरे के निशान एक मीटर ऊपर बहने लगी है। गोर्रा और राप्ती का जलस्तर भी चढ़ रहा है। . बरहज गेज स्थल से आई रिपोर्ट के मुताबिक सरयू 67.50 मीटर ऊपर बह रही है। वहीं गोर्रा व राप्ती के जलस्तर का फासला खतरे से करीब एक मीटर रह गया है। बाढ़ की आशंका से तटवर्ती गांव के लोग सहमे हुए हैं। विभागीय अधिकारियों का कहना है कि थोड़ा और बढ़ने के बाद नदियों का जलस्तर कम हो जाएगा। गौरा निवासी ओमप्रकाश कुशवाहा, सुबास गुप्ता, कपरवार के रामसागर आदि का कहना है कि अगस्त और सितंबर महीने में बाढ़ का खतरा अधिक रहता है। 28 जुलाई को नदी खतरे के निशान से पांच सेमी ऊपर बह रही थी। तीन दिन के बाद नदी का जलस्तर सामान्य हो गया। उस दौरान उतनी चिंता नहीं हुई जितनी अब हो रही है। खतरे के निशान से एक मीटर ऊपर बह रही नदी का [illegible]

# दुग्धेश्वरनाथ मंदिर के गर्भगृह में भिड़े श्रद्धालु

## बालू लदी ट्रैक्टर-ट्रॉली ने वृद्ध को रौंदा, मौत पर लोगों ने किया प्रदर्शन

[illegible]

पड़ रहा है। ..रुद्राभिषेक कराने के लिए जगह कब्जा करने में दो पक्षों में जमकर मारपीट शुरू हो गई। मारपीट के दौरान एक महिला और लड़की को चोट आई। विवाद पर आमादा दो लोगों को पुलिस पकड़ कर थाने ले गई। मंदिर के अंदर व्याप्त दुर्व्यवस्था से भक्तों को भावनाएं आहत हो रही है। एक भक्त ने कहा कि यहां रुद्राभिषेक कराने वाले आचार्य व्यवस्था में विघ्न डाल रहे हैं। यजमानों से दक्षिणा लेने की लालच में एक साथ कई लोगो का अभिषेक कराया जा रहा है। मंदिर के महंत का व्यवस्था पर कोई नियंत्रण नही है। दुग्धेश्वरनाथ मंदिर की व्यवस्था तीन महंतों के जिम्मे है। महंथ रमाशंकर भारती ने कहा कि भीड़ में गर्भगृह के अंदर रुद्राभिषेक कराने पर पूरी तरह रोक लगानी होगी। यह फैसला पहले सर्व संमत से लिया गया था। लेकिन कुछ लोग नियमों की अनदेखी कर मनमानी कर रहे हैं।

# नेपाल से पानी आने पर चंदन, प्यास नदी उफनाई, लक्ष्मीपुर गांव में घुसा पानी

[illegible]

नौतनवां तहसील के सैकड़ों गांवों में भारी तबाही लेकर आती है। बाढ़ से केवलापुर खुर्द, नाथनगर, बेलवाकाजी, बेलासपुर, जगपुर, सलामतगढ़, पिपरहवा, अवरहवा, आराजी सुबाइन, अमहवा, रानीपुर, बिनहा छावनी, कुड़िअहवा, तेरहो टोला, दनदनहवा, मछरिअहवा, नवडीहवा, सुबेदारपुर, बीरबल टोला, भसहवा, करम टीकर, नवाबी, मठिया ईदू, विसौवा, सोनराडीह आदि गांव के नदियों के बढ़ते जल स्तर से परेशान हैं।

बंधों की ठीक हालत नहीं होने पर चिंताः रोहिन नदी के बंधों की दशा देखकर आसपास के गांव के लोग चिंतित है। रामजीत, रामकेश ने बताया कि केवलापुर खुर्द के चट्टा टोला से अमहवा तक 6 किलोमीटर लंबे बंधे में चट्टा टोला, चानकी घाट, जिनवापुर, आराजी जगपुर, बीरबल टोला, आराजी सुबाइन, रघुनाथपुर, अमहवा, कुड़िया, सोनराडीह, कुड़िअहवा, भसहवा, सेमरहवा ठीक हालत में नहीं है। यहां टूटे थे रोहिन नदी के बांधः नौतनवा तहसील के लक्ष्मीपुर ब्लॉक के सैकड़ों गांव के लोग बरसात के दिनों में बाढ़ का सामना करते करते थक चुके हैं। वर्ष 1998, 2001, 2007, 2021 एवं 2022 में आई बाढ़ ने क्षेत्र के सैकड़ों गांव के लोगों का जनजीवन अस्त व्यस्त कर दिया था। वर्ष 1998 में जब बाढ़ आई तो पूरा इलाका मैरुंड हो गया था। सैकड़ों मवेशी बाढ़ में बह गए। रघुनाथपुर, बसहवा, आराजी सुबाइन, पिपरहवा आदि स्थानों पर बांध टूटने से जन-धन की खूब क्षति हुई थी। वर्ष 2022 में बाढ़ से आराजी जगपुर, पिपरहवा, अवरहवा, सलामतगढ़, खालिकगढ़ आदि गांव जलमग्न हुआ था।

## एक माह तक चलेगा खोजी अभियान, तलाशे जाएंगे कुष्ठ रोगी

[illegible]

# दो दिन मनेगा रक्षाबंधन, शुभ मुहूर्त के लिए करना होगा इंतजार

## सर्राफ की फैक्टरी में चोरी, सीसीटीवी कैमरे में कैद

[illegible]

को रात्रि में 9 बजे के बाद तथा 31 अगस्त को प्रातः 7:45 तक विशेष तथा पूरे दिन रक्षाबंधन करना उचित है। अमृत काल सुबह 05:42 बजे से सुबह 07:23 तक है। इस दिन सुबह सुकर्मा योग भी रहेगा। भद्रा की बाधा भी नहीं रहेगी। ऐसे में 31 की सुबह भी रक्षाबंधन का शुभ योग है। ऐसे बांधे भाइयों की कलाई पर राखीः राखी बांधने से पहले भाई के माथे पर तिलक और अक्षत लगाएं। भाई इस बात का ध्यान रखे कि राखी को कभी भी खाली और खुले हाथों में न बंधवाएं। हमेशा हाथ में कुछ पैसे और अक्षत रखें और अपनी मुट्ठी बंद रखें। ऐसा करने से घर में संपत्ति का वास बना रहता है। राखी बांधने के बाद भाई यथाशक्ति बहन को कुछ न कुछ उपहार जरूर दें। भद्रा काल में राखी हरगिज न बांधें। इससे भाई के जीवन पर बुरा असर पड़ता है। 29 को मनाई जाएगी श्रावणीः 30 अगस्त को श्रवण नक्षत्र न मिलने और दिन भर भद्रा रहने की वजह से इस बार श्रावणी का पर्व 29 अगस्त को ही मनाया जाएगा। श्रावणी उपाकर्म करने वाले गंगा तटों पर सुबह घुटने भर जल में खड़े होकर मनसा, वाचा और कर्मणा से पापों के प्रायश्चित के लिए जतन करेंगे।

# रंग-बिरंगी राखी से सजा बाजार, खरीदारी तेज

महराजगंज। जिले में राखी का बाजार पूरी तरह से सज चुका है। हर चौराहे पर राखी की दुकानें सज गईं हैं। नई किस्म की राखियां बाजार में उपलब्ध है। बाजार में 10 रुपये से लेकर 300 रुपये तक राखियां बिक रही हैं। लोग अभी से राखी की खरीदारी करने लगे हैं। राखी को लेकर महराजगंज शहर का बाजार तैयार है। दुकानों में रंग-बिरंगी राखियां सज चुकी हैं। इसके अलावा कई कंपनियों ने भाई-बहनों के मधुर रिश्तों की प्रगाढ़ता को प्रदर्शित करने के लिए कई उपहार बाजार में उतारे हैं। बहनों के प्यार की मिठास घोलने के लिए चॉकलेट के कई पैक भी बाजार में आ गए हैं। युवतियां अपने भाइयों की कलाई पर सजाने के लिए आकर्षक डिजाइन की राखियां खरीद रही हैं। बाजार में इस बार नई तरह की काफी संख्या में राखियां उपलब्ध हैं। कार्टून कैरेक्टर से सजेंगी नन्ही कलाइयांः राखी विक्रेता मनोज कुमार ने बताया कि बाजार में जहां बच्चों के लिए उनकी पसंदीदा कार्टून कैरेक्टर से बनी राखियां भी आई हैं। वहीं, बड़ों के लिए भी फूलपत्ता, ओंकार, स्वास्तिक और रेशम के धागे, स्टोन की राखियां उपलब्ध हैं। रेशमी धागों के साथ-साथ अब स्टोन वाली राखी, मोतियों की राखी दुकानों में सजी है। नन्ही बहनों को लुभाने के लिए बाल गणेश, छोटा भीम, मिक्की माउस, डोनाल्ड डक और अन्य कार्टून कैरेक्टर वाली राखियां भी दुकानों में सजी हुई हैं। बहनों की पहली पसंद अब भी रेशम की डोर ही हैः दुकानों में कई डिजाइनों की राखियां तो उपलब्ध हैं। फिर भी रेशम की पारंपरिक डोर अन्य राखियों पर भारी पड़ती नजर आ रही है। बहनों की पहली पसंद अब भी रेशम की डोर ही है। बड़ी उम्र की बहनें अपने उम्रदराज भाइयों के लिए आज भी पारंपरिक रेशमी धागे की राखियों को पंसद कर रही हैं। संगीता का कहना है कि रेशमी डोर की पारंपरिक राखियों का स्थान कोई दूसरी राखी नहीं ले सकती है।

# कंचनपुर से रामपुरमीर तक सड़क बदहाल

महराजगंज। कंचनपुर से रामपुरमीर को जोड़ने वाली सड़क बदहाल हो चुकी है। सड़क पर गड्ढों में लोग हिचकोले खाते हुए सफर करने को मजबूर हैं। गड्ढा मुक्त किए जाने को लेकर किए जा रहे तमाम दावे के बाद भी इस सड़क की दशा नहीं सुधर रही है। बसंतपुर खुर्द, बड़हरा मीर, मोहनापुर, अरनहवा, पतरेंगवां आदि गांवों के लोगों परेशानी हो रही है। अमरेश्वर मिश्रा, गिरिजेश गुप्ता, अनिल, पुंडरिक मिश्रा ने लोक निर्माण के अधिशासी अभियंता को ज्ञापन सौंपकर समस्या का समाधान कराने की मांग की।

# प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के तहत 4,589 लोगों को लाभान्वित किया जाएगा

महराजगंज। जिले के सभी 11 निकायों में इस वर्ष 4,589 लोगों को प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के तहत लाभान्वित किया जाएगा। उद्देश्य है कि नगरीय क्षेत्र में सड़क किनारे ठेला-खोमचा लगाने वाले व वित्तीय रूप से कमजोर लोगों को प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना से जोड़ते हुए उनकी दशा को सुधारा जाए। योजना के तहत ऋण प्राप्त कर वे जहां अपने व्यवसाय को बढ़ाएंगे, वहीं अपनी आर्थिक स्थिति को भी सुधार सकेंगे। इसके तहत नगर पालिका सिसवां में 2,506, महराजगंज में 973 व नौतनवां में 93 एवं नगर पंचायत आनंदनगर में 666, बृजमनगंज में 156, पनियरा में 70, चौक, घुघली, सोनौली, परतावल व निचलौल में 25-25 लोगों को लाभान्वित किया जाएगा। प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के तहत जिले के 11 निकायों में 4,589 लोगों को लाभान्वित किया जाना है। इच्छुक लोग संबंधित नगर पालिका अथवा नगर पंचायत में संपर्क कर अपना आवेदन करें व योजना का लाभ उठाएं।